मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 318
सोमवार, 08 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सीबीएसई ओएसएम विवाद पर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

कहा- प्रधानमंत्री चाहते हैं युवा रील बनाएं और पकौड़े तलें

नई दिल्ली, 07 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को सीबीएसई और 'कोएम्प्ट' के बीच "मिलीभगत का पदार्फाश" करने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत और उनके सहयोगी निसर्ग अधिकारी की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि युवा "रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें", लेकिन इन दोनों युवाओं ने सवाल उठाए और जवाब भी ढूंढ़ निकाले।

गांधी ने पिछले सप्ताह सार्थक सिद्धांत के साथ अपनी मुलाकात का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया, जो सीबीएसई की 'ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम' (ओएसएम) से प्रभावित 18 वर्षीय छात्र है और जिसने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में ओएसएम प्रक्रिया के लिए वेंडर के चयन की निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की ओर इशारा किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा, "सार्थक 18 साल का है - पर सोच, साहस और सिद्धांत में किसी से कम नहीं। उसने और उसके साथी निसर्ग ने वो कर दिखाया जो देश के बड़े मीडिया प्रतिष्ठान, खोजी पत्रकार नहीं कर पाए - सीबीएसई और 'कोएम्प्ट' की मिलीभगत को देश के सामने रख दिया।"

उन्होंने कहा कि देश का 18 साल का बच्चा सीबीआई से तेज निकला, नौजवानों की ये जीत सही मायने में सरकार की हार है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, "मोदी जी चाहते हैं हमारे युवा रील बनाते रहें, पकौड़े तलते रहें, सवाल न पूछें, आंखें न खोलें। पर इन बच्चों ने सवाल भी पूछे और जवाब भी ढूंढ़ निकाले।" उन्होंने कहा, "यही है भारत की असली युवा शक्ति - जिज्ञासु, जागरूक, जानकार। और याद रखिए, देश का भविष्य किसी बहकावे में नहीं आएगा।"

सीबीएसई ने 'कोएम्प्ट एडुटेक' कंपनी को 'ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम' (ओएसएम) का ठेका दिया था। बारहवीं कक्षा के परिणाम में कथित अनियिमितताओं के बाद यह विवादों में घिर गई। ओएसएम विवाद के बाद सरकार ने सीबीएसई के दो शीर्ष अधिकारियों को हटा दिया है, हालांकि विपक्षी कांग्रेस ने इसे दिखावा और लीपापोती करार दिया है।

राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने और तत्काल स्वतंत्र न्यायिक जांच का आदेश देने की मांग की है। वीडियो में गांधी ने सिद्धांत से पूछा कि उन्होंने ओएसएम निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के बारे में कैसे पता लगाया। गांधी ने "खोजी पत्रकार" की भूमिका के लिए सिद्धांत की सराहना भी की।

तीन महीने में दूसरी बार महंगा हुआ घरेलू गैस सिलेंडर, विपक्ष ने केंद्र सरकार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, 07 जून। कांग्रेस ने रविवार को घरेलू गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला किया और पूछा कि भाजपा नेता अब सिलेंडर लेकर सड़कों पर विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं, जबकि वे संप्रग सरकार के दौरान महंगाई पर शोर मचाते रहते थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में पश्चिम एशिया संघर्ष के जवाब में 41 देशों में ईंधन के स्रोत होने के "बड़े-बड़े दावे" किए थे, उनका क्या हुआ? उन्होंने पूछा कि आज भी ग्रामीण इलाकों में एलपीजी की कमी क्यों है।

कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़ाकर 942 रुपये करने के बाद आई है, जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थी सालाना पहले चार रिफिल पर 300 रुपये प्रति रिफिल की सब्सिडी मिलने के बाद प्रभावी रूप से 642 रुपये प्रति सिलेंडर का भुगतान करते रह सकेंगे। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "घरेलू एलपीजी के दामों में आग की लपटें आम जनता की रसोई को भस्म करने पर तुली हुई हैं। मोदी सरकार ने पिछले 4 महीनों में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 89 रुपये की बढ़ोतरी की है।"

उन्होंने कहा, "हमारे तीन सवाल हैं। संसद में मोदी जी ने लंबे-चौड़े दावे किए थे कि वह पश्चिम एशिया युद्ध के चलते 41 देशों से ईंधन प्राप्त कर रहे हैं। उसका क्या हुआ? ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की किल्लत क्यों है?" खरगे ने कहा, "2025-26 में उज्ज्वला योजना में 5.56 करोड़ परिवारों ने केवल एक या एक भी रिफिल नहीं करवाया। इनमें से 3.30 करोड़ ने तो एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं लिया। यह तो पश्चिम एशिया संकट के पहले की बात है। क्या यह मोदी सरकार की लूट का नतीजा नहीं है?"

कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, "मोदी जी और भाजपा नेता संप्रग सरकार के दौरान महंगाई का शोर मचाते थे। क्या ये सच नहीं है कि मोदी सरकार ने 12 सालों में घरेलू एलपीजी के दामों में 530 रुपये की बढ़ोतरी की है? अब भाजपा के नेता सड़कों पर सिलेंडर लेकर क्यों नहीं बैठ रहे हैं?

योगी सरकार का बड़ा तोहफा, आयुष अस्पतालों में भी मिलेगा कैशलेस इलाज

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और जनहितकारी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए आयुष चिकित्सा पद्धतियों को भी कैशलेस इलाज योजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। अब पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी की आईपीडी सेवाओं का लाभ भी मरीजों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रदेश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से भर्ती होकर उपचार कराने वाले मरीजों को भी कैशलेस सुविधा उपलब्ध होगी। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को राहत मिलेगी। प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है। इससे आयुष चिकित्सा पद्धतियों को नई मजबूती मिलेगी और लोगों का भरोसा भी बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ आयुष चिकित्सा को जोड़कर एक मजबूत और भरोसेमंद स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित कर रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक अभाव किसी भी नागरिक के इलाज में बाधा न बने और सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

डॉ. मिश्र ने विश्वास जताया कि इस फैसले से प्रदेश में आयुष चिकित्सा सेवाओं का दायरा व्यापक होगा तथा मरीजों को बिना आर्थिक बोझ के बेहतर उपचार उपलब्ध हो सकेगा।

परमाणु हथियार और चीन की दोस्ती: 7 साल बाद जिनपिंग का उत्तर कोरिया दौरा, बढ़ी दुनिया की टेंशन

नई दिल्ली, 07 जून। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर उत्तर कोरिया पहुंच रहे हैं, जहां उनका स्वागत उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन करेंगे। यह शी जिनपिंग का पिछले सात वर्षों में पहला उत्तर कोरिया दौरा है और इसे क्षेत्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि आज किम जोंग उन 2019 की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में हैं। पिछले कुछ वर्षों में उत्तर कोरिया ने रूस के साथ अपने सैन्य और आर्थिक संबंधों को काफी मजबूत किया है। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस को समर्थन देने और बढ़ते सहयोग ने प्योंगयांग को नई आर्थिक एवं रणनीतिक ताकत दी है।इसके साथ ही उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाता रहा है।

शी जिनपिंग के आगमन से ठीक पहले उत्तर कोरिया ने 10,000 टन क्षमता वाले नए नौसैनिक विध्वंसक (डिस्ट्रॉयर) की योजना की घोषणा की। इसके अलावा प्योंगयांग ने एक बार फिर खुद को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बताया, जिसे कई विशेषज्ञ चीन और अमेरिका दोनों के लिए एक राजनीतिक संदेश के रूप में देख रहे हैं।विशेषज्ञों के अनुसार चीन उत्तर कोरिया को दोबारा अपने प्रभाव क्षेत्र में मजबूती से लाने की कोशिश कर रहा है। कोविड महामारी और रूस के साथ बढ़ती साझेदारी के बाद उत्तर कोरिया की विदेश नीति में बदलाव आया है। ऐसे में चीन आर्थिक निवेश, व्यापार और पर्यटन के जरिए अपने पुराने सहयोगी के साथ रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है। हालांकि दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद अभी भी मौजूद हैं।

चीन सार्वजनिक रूप से कई बार उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षणों का विरोध कर चुका है और परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत करता रहा है। इसके बावजूद हाल के वर्षों में बीजिंग ने इस मुद्दे पर अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाया है। विश्लेषकों का मानना है कि इस शिखर वार्ता का सबसे बड़ा एजेंडा आर्थिक सहयोग होगा।उत्तर कोरिया ने अपने नए पांच वर्षीय विकास कार्यक्रम में पर्यटन, आवास निर्माण और विदेशी निवेश बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान बंद हुई सीमाओं के कारण पर्यटन उद्योग को बड़ा नुकसान हुआ था। महामारी से पहले उत्तर कोरिया आने वाले विदेशी पर्यटकों में लगभग 90 प्रतिशत चीनी नागरिक होते थे। इसलिए प्योंगयांग के लिए चीनी पर्यटकों की वापसी आर्थिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच संवाद लगभग ठप पड़ा हुआ है। 2019 में डोनाल्ड ट्रंप और किम जोंग उन के बीच हुई वार्ताएं विफल हो गई थीं। उसके बाद से दोनों देशों के संबंधों में कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है।

ऐसे में शी जिनपिंग और किम जोंग उन की मुलाकात न केवल चीन-उत्तर कोरिया संबंधों को नई दिशा दे सकती है, बल्कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को भी एक स्पष्ट रणनीतिक संदेश दे सकती है कि प्योंगयांग अब पहले से अधिक आत्मविश्वास और मजबूत अंतरराष्ट्रीय समर्थन के साथ आगे बढ़ रहा है।

लापता की तलाश

सुमन पुल्लूर
प्रजापति माताजी
उम्र – 67 वर्ष
दहिसर (पूर्व), मुंबई
दिनॉक
23/05/2026
समय
शाम 8 बजे से लापता है।

यदि आपको इनका कोई पता चले तो
⚠ कृपया तुरंत संपर्क करें ⚠

संपर्क – प्रदीप प्रजापति
मो. 8097426628
Dhan Nirankarji &
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001

संपर्क – प्रजापति माताजी परिवार
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001

आपकी छोटी सी जानकारी किसी अपने को घर वापस ला सकती है।

वाराणसी से बाहर शिफ्ट की जाएंगी मीट, मांस और मछली की दुकानें

वाराणसी, 07 जून। उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगर निगम ने शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने की दिशा में कदम उठाते हुए अब मांस और मछली की सभी दुकानें शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित करने का फैसला किया है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को मैदागिन स्थित टाउन हॉल भवन में हुई सदन की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी।

श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में शहर के विकास पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें मांस के बाजारों को शहर के बाहर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में पांच स्थानों का चयन किया जा चुका है और यह सभी स्थान शहर की बाहरी सीमाओं के करीब स्थित है, जिससे आम जनता को कोई असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत आगामी दिनों में शहर के भीतर मांस की दुकानों को रामनगर, शुजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में अभी लगभग 350 से 400 मीट व मछली की दुकानें हैं। पार्षद गुलशन अली ने नगर पालिका परिषद की बैठक में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि मांस और मछली की दुकानों को शहर की सीमा से बाहर ले जाने का प्रस्ताव लगभग एक साल पहले लाया गया था लेकिन इसे अभी तक ठीक तरीके से लागू नहीं किया गया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director

ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)

✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आलीशान कोठियों, बढ़ती संपत्तियों और जवाबदेही के सवाल

– डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में जब भी भ्रष्टाचार, काले धन और आय से अधिक संपत्ति की चर्चा होती है, तब आम नागरिक के मन में एक सवाल बार-बार उठता है—आखिर संपत्ति की व्यापक और निष्पक्ष जांच कब होगी? शहरों के सेक्टरों, पॉश कॉलोनियों और विकसित क्षेत्रों में खड़ी होती आलीशान कोठियां, महंगे फार्म हाउस, बहुमंजिला इमारतें और करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियां अक्सर लोगों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं। यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि इन संपत्तियों का निर्माण किन आय स्रोतों से हुआ है और क्या इनकी कीमत संबंधित व्यक्तियों की घोषित आय के अनुरूप है। यह प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है। लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास तभी मजबूत रहता है जब उन्हें यह भरोसा हो कि कानून सबके लिए समान है। यदि कोई व्यक्ति अपनी मेहनत, प्रतिभा, व्यवसाय, नौकरी या निवेश के माध्यम से संपन्न बनता है तो यह उसकी सफलता का प्रमाण है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन जब किसी व्यक्ति की आय और संपत्ति के बीच असामान्य अंतर दिखाई देता है, तब जांच की मांग भी स्वाभाविक हो जाती है। संपत्ति अर्जित करना अपराध नहीं है, लेकिन उसकी वैधता और स्रोत का स्पष्ट होना आवश्यक है। यही सुशासन और जवाबदेही का मूल आधार है। आज भारत के अधिकांश शहरों में ऐसे क्षेत्र विकसित हो चुके हैं जहां करोड़ों रुपये की कोठियां और भवन खड़े हैं। इनमें से अधिकांश संपत्तियां निश्चित रूप से वैध साधनों से अर्जित की गई होंगी। देश में लाखों ऐसे व्यवसायी, उद्योगपति, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक और उद्यमी हैं जिन्होंने वर्षों की मेहनत और संघर्ष से आर्थिक सफलता प्राप्त की है। उनके परिश्रम और उपलब्धियों पर संदेह करना न केवल अनुचित होगा बल्कि समाज में नकारात्मक संदेश भी देगा। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि कुछ मामलों में संपत्ति का आकार और घोषित आय के बीच ऐसा अंतर दिखाई देता है जो सवाल पैदा करता है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था की आवश्यकता है।

आम नागरिक की चिंता केवल संपत्ति को लेकर नहीं होती, बल्कि उस असमानता को लेकर भी होती है जो समाज में दिखाई देती है। एक ओर मध्यमवर्गीय परिवार जीवन भर की कमाई लगाकर एक घर बनाने के लिए संघर्ष करता है, बैंक ऋण लेता है और वर्षों तक उसकी किस्तें चुकाता है। दूसरी ओर कुछ लोग बहुत कम समय में अपार संपत्ति के मालिक बन जाते हैं। जब यह अंतर बहुत अधिक दिखाई देता है तो लोगों के मन में प्रश्न उठते हैं। यदि इन प्रश्नों का उत्तर पारदर्शी जांच और जवाबदेही के माध्यम से नहीं दिया जाता, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ने लगता है।

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अधिक पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। सरकारी अधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और सार्वजनिक संसाधनों के प्रबंधन से जुड़े लोग जनता के विश्वास के संरक्षक होते हैं। इसलिए उनकी आय और संपत्ति का विवरण अधिक स्पष्ट और सार्वजनिक होना चाहिए। यदि कोई सार्वजनिक सेवक अपनी वैध आय के अनुरूप संपत्ति अर्जित करता है तो उसे किसी जांच से डरने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि ऐसी जांच उसकी ईमानदारी को प्रमाणित करने का माध्यम बन सकती है। लेकिन यदि कहीं अनियमितता है, तो उसे कानून के दायरे में लाना भी उतना ही आवश्यक है।

समस्या केवल घोषित संपत्तियों तक सीमित नहीं है। बेनामी संपत्ति भी देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। अनेक बार वास्तविक मालिक अपनी संपत्ति किसी रिश्तेदार, कर्मचारी या परिचित के नाम पर दर्ज करा देता है। इससे वास्तविक स्वामित्व और धन के स्रोत का पता लगाना कठिन हो जाता है। सरकार ने बेनामी लेन-देन रोकने के लिए कानून बनाए हैं, लेकिन इनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। जब तक संपत्ति के वास्तविक लाभार्थी की पहचान सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक वित्तीय पारदर्शिता का लक्ष्य अधूरा रहेगा। तकनीकी दृष्टि से देखें तो आज संपत्ति की जांच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो चुकी है। बैंकिंग व्यवस्था, आयकर रिटर्न, डिजिटल भुगतान, संपत्ति पंजीकरण, जीएसटी रिकॉर्ड और विभिन्न सरकारी डेटाबेस के माध्यम से किसी भी व्यक्ति की वित्तीय गतिविधियों का व्यापक विश्लेषण किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण जैसी तकनीकें यह पहचानने में सक्षम हैं कि कहां घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच असामान्य अंतर मौजूद है। यदि इन साधनों का प्रभावी उपयोग किया जाए तो जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और निष्पक्ष बन सकती है। यह भी आवश्यक है कि जांच का आधार केवल तथ्य और प्रमाण हों, न कि राजनीतिक या व्यक्तिगत हित। जनता का विश्वास तभी कायम रहेगा जब कानून का उपयोग चुनिंदा लोगों के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के लिए समान रूप से किया जाएगा। यदि कोई सामान्य कर्मचारी अपनी आय का हिसाब देता है, तो प्रभावशाली व्यक्तियों, बड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी वही मानक स्वीकार करने चाहिए। कानून की ताकत उसकी निष्पक्षता में होती है, न कि उसकी कठोरता में। अवैध संपत्ति का प्रभाव केवल सरकारी खजाने तक सीमित नहीं रहता। यह सामाजिक असमानता को भी बढ़ाता है। जब कुछ लोग नियमों को दरकिनार करके अनुचित लाभ प्राप्त करते हैं, तो वे उन लोगों से आगे निकल जाते हैं जो नियमों का पालन करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि ईमानदार नागरिक स्वयं को हतोत्साहित महसूस करने लगते हैं। युवाओं में यह धारणा बनने लगती है कि सफलता का मार्ग मेहनत और प्रतिभा से अधिक प्रभाव और संपर्कों से होकर जाता है। यह स्थिति किसी भी समाज के लिए घातक है क्योंकि इससे नैतिक मूल्यों और सामाजिक विश्वास का क्षरण होता है। ईमानदार करदाताओं के सम्मान के लिए भी संपत्ति की पारदर्शी जांच आवश्यक है। जो लोग नियमित रूप से कर चुकाते हैं, अपनी आय का सही विवरण देते हैं और कानून का पालन करते हैं, उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि व्यवस्था उनके साथ न्याय कर रही है। यदि भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती, तो ईमानदार नागरिकों के मन में भी निराशा उत्पन्न होती है। इसके विपरीत, जब कानून निष्पक्ष रूप से लागू होता है तो उनका विश्वास मजबूत होता है और वे स्वयं को व्यवस्था का सम्मानित हिस्सा महसूस करते हैं। मीडिया और नागरिक समाज भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। खोजी पत्रकारिता, सूचना के अधिकार का उपयोग और सार्वजनिक विमर्श के माध्यम से अनेक मामलों में पारदर्शिता बढ़ी है। हालांकि इस प्रक्रिया में जिम्मेदारी भी आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति पर आरोप लगाना या अफवाहों के आधार पर उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। इसलिए पारदर्शिता की मांग तथ्यों और दस्तावेजों पर आधारित होनी चाहिए। जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि जांच संस्थाएं राजनीतिक या अन्य प्रकार के दबाव में कार्य करेंगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा। इसलिए उन्हें पर्याप्त संसाधन, आधुनिक तकनीक और स्वतंत्र कार्य वातावरण प्रदान किया जाना चाहिए। एक ऐसी व्यवस्था विकसित होनी चाहिए जिसमें जांच का आधार केवल तथ्य, दस्तावेज और प्रमाण हों। इससे दोषियों के खिलाफ कार्रवाई प्रभावी होगी और निर्दोष लोगों को अनावश्यक परेशानियों से भी बचाया जा सकेगा। संपत्ति की जांच केवल कानूनी विषय नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रश्न है। समाज को भी यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार की सफलता को सम्मान देना चाहता है। यदि केवल भव्य भवन, महंगी गाड़ियां और बाहरी प्रदर्शन ही सफलता का पैमाना बने रहेंगे, तो भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष सामाजिक स्वीकृति मिलती रहेगी। वास्तविक सम्मान उस व्यक्ति का होना चाहिए जिसने ईमानदारी, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के आधार पर सफलता प्राप्त की हो। आज आवश्यकता किसी विशेष व्यक्ति या वर्ग की जांच की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जिसमें हर बड़ी संपत्ति का स्रोत स्पष्ट हो और हर नागरिक को यह विश्वास हो कि कानून सबके लिए समान रूप से लागू होता है। यदि किसी ने अपनी वैध आय से कोठी बनाई है तो उसे गर्व के साथ उसका विवरण प्रस्तुत करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। लेकिन यदि किसी ने अवैध साधनों से संपत्ति अर्जित की है, तो उसे जवाबदेह ठहराना भी लोकतंत्र की जिम्मेदारी है।

अंततः यह प्रश्न कि संपत्ति की जांच कब होगी? केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक प्रश्न है। इसका संबंध जनता के विश्वास, कानून की विश्वसनीयता और शासन की पारदर्शिता से है। जब आय और संपत्ति के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित होगा, जब जांच निष्पक्ष होगी, जब बेनामी संपत्तियों पर प्रभावी नियंत्रण होगा और जब कानून सब पर समान रूप से लागू होगा, तभी लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी इमारतें, कोठियां या आर्थिक आंकड़े नहीं होते, बल्कि उसके नागरिकों का व्यवस्था पर विश्वास होता है। उस विश्वास को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि संपत्ति की जांच केवल चर्चा का विषय न रहे, बल्कि पारदर्शी और उत्तरदायी शासन व्यवस्था का स्थायी हिस्सा बने।

नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज होने जा रहा एक नया रिकॉर्ड

– महेन्द्र तिवारी

भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। यहाँ जनता समय-समय पर अपने नेताओं का चयन करती है और सत्ता परिवर्तन के माध्यम से लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाती है। स्वतंत्रता के बाद से देश ने अनेक प्रधानमंत्रियों को देखा, लेकिन कुछ नेता ऐसे रहे जिन्होंने केवल लंबे समय तक शासन नहीं किया बल्कि भारतीय राजनीति की दिशा और स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं के बाद यदि किसी प्रधानमंत्री ने सबसे अधिक प्रभाव छोड़ा है तो वह नरेंद्र मोदी हैं। 10 जून 2026 का दिन इसी कारण राजनीतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे रिकॉर्ड के साथ चर्चा के केंद्र में होंगे जो भारतीय राजनीति में उनके लंबे और प्रभावशाली सफर का प्रतीक माना जा रहा है।

नरेंद्र मोदी ने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उस समय भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था। यह जीत इसलिए ऐतिहासिक थी क्योंकि लगभग 30 वर्षों बाद किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिला था। उस दौर में देश भ्रष्टाचार, आर्थिक सुस्ती और राजनीतिक अस्थिरता जैसे मुद्दों से जूझ रहा था। जनता एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में थी जो निर्णायक दिखाई दे और देश को नई दिशा दे सके। नरेंद्र मोदी ने विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व के नारों के साथ चुनाव अभियान चलाया और जनता ने उन्हें भारी समर्थन दिया।

2014 की जीत केवल एक चुनावी विजय नहीं थी बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत थी। लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहने वाली कांग्रेस पार्टी पहली बार इतनी कमजोर स्थिति में पहुँच गई। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी। नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व इस परिवर्तन का मुख्य केंद्र बन गया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पहचान पहले से ही एक विकासवादी नेता की बन चुकी थी और उसी छवि को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार मिला।

इसके बाद 2019 का लोकसभा चुनाव आया। सामान्यतः किसी सरकार के 5 वर्षों के बाद सत्ता विरोधी लहर देखी जाती है, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहले से भी अधिक सीटें जीत लीं। इस विजय ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी केवल एक लोकप्रिय नेता नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्व बन चुके हैं। 2019 की जीत के बाद राष्ट्रीय राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, तीन तलाक कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी सरकार ने कई ऐसे फैसले लिए जिनका व्यापक राजनीतिक प्रभाव पड़ा। 2024 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। लगातार तीन बार सत्ता में लौटना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आसान नहीं होता। इसके लिए केवल चुनावी रणनीति ही नहीं बल्कि व्यापक जनसमर्थन, मजबूत संगठन और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि मोदी की तीसरी पारी को भारतीय राजनीति के बड़े घटनाक्रमों में गिना जाता है।

10 जून 2026 को नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन को लेकर चर्चा इसलिए तेज है क्योंकि वे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री बने रहने वाले नेताओं की सूची में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करेंगे। भारतीय राजनीति में लंबे कार्यकाल का विशेष महत्व माना जाता है क्योंकि लोकतंत्र में जनता हर चुनाव में सरकार को बदलने का अधिकार रखती है। ऐसे में यदि कोई नेता लगातार वर्षों तक जनता का समर्थन बनाए रखता है तो यह उसकी राजनीतिक क्षमता और जनस्वीकार्यता को दर्शाता है। स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू लगभग 16 वर्ष 286 दिन तक लगातार प्रधानमंत्री रहे। यह रिकॉर्ड आज भी सबसे लंबा लगातार प्रधानमंत्रित्व माना जाता है। नेहरू ने 15 अगस्त 1947 से लेकर 27 मई 1964 तक देश का नेतृत्व किया। उनके समय विभाजन की त्रासदी, आर्थिक कमजोरी, संस्थाओं के निर्माण और अंतरराष्ट्रीय पहचान जैसी अनेक चुनौतियाँ थीं। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव मजबूत करने, सार्वजनिक क्षेत्र के विकास और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने का प्रयास किया। आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी ऐसे समय में प्रधानमंत्री बने जब भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका था। उनके सामने चुनौती थी कि भारत को आर्थिक, सामरिक और तकनीकी दृष्टि से और अधिक शक्तिशाली बनाया जाए। मोदी ने राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और मजबूत नेतृत्व को अपनी राजनीति का मुख्य आधार बनाया। उन्होंने विदेश नीति में भी सक्रियता दिखाई। अमेरिका, फ्रांस, रूस, जापान और खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को नई गति मिली। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली दिखाई देने लगी। मोदी सरकार के दौरान अनेक कल्याणकारी योजनाएं भी शुरू की गईं। जन धन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोले गए। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। आयुष्मान योजना के जरिए गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने का प्रयास हुआ। स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया। कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन योजना ने करोड़ों लोगों को राहत दी। इन योजनाओं ने गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के बीच मोदी सरकार की लोकप्रियता बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई। हालांकि विपक्ष लगातार सरकार की आलोचना भी करता रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट और सामाजिक तनाव जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश की गई। कई विश्लेषकों का मानना है कि आर्थिक असमानता अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराना आने वाले समय में सरकार के सामने सबसे कठिन कार्यों में से एक होगा। किसान आंदोलन ने भी यह दिखाया कि बड़े जनसमूह सरकार की नीतियों का विरोध कर सकते हैं। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद नरेंद्र मोदी की राजनीतिक लोकप्रियता लंबे समय तक बनी रही।

भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक शक्ति भी मोदी की सफलता का एक बड़ा कारण रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा का विशाल कार्यकर्ता तंत्र बूथ स्तर तक सक्रिय रहता है। चुनाव प्रबंधन, प्रचार अभियान और मतदाताओं तक सीधा संपर्क भाजपा की विशेषता बन चुके हैं। इसके अलावा विपक्ष की एकजुटता की कमी ने भी भाजपा को लाभ पहुँचाया। कई राज्यों में विपक्षी दल आपसी मतभेदों के कारण मजबूत चुनौती प्रस्तुत नहीं कर सके।

आधुनिक राजनीति में संचार माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। नरेंद्र मोदी ने डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया। सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता ने उन्हें युवाओं और नए मतदाताओं से सीधे जोड़ने में सहायता की। रेडियो कार्यक्रमों, वीडियो संदेशों और विशाल जनसभाओं के माध्यम से उन्होंने लगातार जनता के साथ संवाद बनाए रखा। यह शैली पहले के प्रधानमंत्रियों से अलग मानी जाती है। नेहरू के समय में संचार के साधन सीमित थे, जबकि आज राजनीति का बड़ा हिस्सा डिजिटल मंचों पर भी संचालित होता है। इतिहास केवल आँकड़ों से नहीं बनता बल्कि जनमानस की स्मृतियों से भी बनता है। जवाहर लाल नेहरू को आधुनिक भारत की संस्थाओं के निर्माण के लिए याद किया जाता है। इंदिरा गांधी को निर्णायक नेतृत्व और राजनीतिक साहस के लिए जाना जाता है। अटल बिहारी वाजपेयी को संवाद और सहमति की राजनीति का प्रतीक माना जाता है। नरेंद्र मोदी की छवि एक ऐसे नेता की बनी है जिसने भारतीय राजनीति को अत्यधिक केंद्रीकृत नेतृत्व की दिशा दी और राष्ट्रवाद को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में स्थापित किया। 10 जून 2026 का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह दिन भारतीय राजनीति में नेतृत्व की निरंतरता और बदलते जनादेश दोनों का प्रतीक बन रहा है। लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना असाधारण उपलब्धि माना जाता है। यह केवल चुनावी जीत नहीं बल्कि जनता के विश्वास का संकेत भी होता है। नरेंद्र मोदी के समर्थक इसे मजबूत नेतृत्व की विजय मानते हैं, जबकि आलोचक इसे भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व आधारित राजनीति के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखते हैं। लेकिन दोनों पक्ष इस बात से सहमत दिखाई देते हैं कि पिछले एक दशक से अधिक समय में भारतीय राजनीति का केंद्र नरेंद्र मोदी ही रहे हैं।

भविष्य में इतिहास नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का मूल्यांकन कई आधारों पर करेगा। आर्थिक विकास, सामाजिक समरसता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति, विदेश नीति की उपलब्धियों और आम नागरिक के जीवन में आए बदलाव इन सबके आधार पर उनके शासन को परखा जाएगा। यदि आने वाले वर्षों में भारत आर्थिक और तकनीकी शक्ति के रूप में और मजबूत होता है तो मोदी के कार्यकाल को विशेष महत्व दिया जाएगा। वहीं यदि बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसी समस्याएं बढ़ती हैं तो आलोचनाएं भी तेज होंगी। यही लोकतंत्र की विशेषता है कि किसी भी नेता का अंतिम मूल्यांकन इतिहास और जनता दोनों मिलकर करते हैं। इस प्रकार 10 जून 2026 केवल एक तारीख नहीं बल्कि भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण दौर का प्रतीक बनने जा रहा है। यह दिन उस राजनीतिक यात्रा की याद दिलाता है जिसमें एक साधारण परिवार से निकला व्यक्ति देश का सबसे प्रभावशाली नेता बनता है और लगातार वर्षों तक सत्ता का केंद्र बना रहता है। नेहरू से मोदी तक की यह यात्रा भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, जनता के बदलते विश्वास और नेतृत्व की निरंतर बदलती परिभाषा को भी दर्शाती है। भारतीय राजनीति में रिकॉर्ड बनते और टूटते रहेंगे, लेकिन कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो इतिहास में स्थायी रूप से दर्ज हो जाते हैं। 10 जून 2026 को लेकर चल रही चर्चा भी भारतीय लोकतंत्र के ऐसे ही एक ऐतिहासिक क्षण की ओर संकेत करती है।

बेटियों के हक पर पहरा, विरासत की बिक्री

-सुरेश गांधी

देश में बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार दिलाने की दिशा में न्यायपालिका और विधायिका ने पिछले दो दशकों में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के अनेक फैसलों ने स्पष्ट कर दिया है कि बेटी केवल परिवार की सदस्य नहीं, बल्कि पैतृक संपत्ति में बेटे के समान अधिकार रखने वाली उत्तराधिकारी भी है। यह बदलाव केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्रांति है। लेकिन कानून की किताबों में दर्ज यह न्याय जमीनी स्तर पर एक नए सामाजिक और पारिवारिक संकट का कारण बनता दिखाई दे रहा है। गांवों से लेकर शहरों तक संपत्ति को लेकर बढ़ते विवाद, अदालतों में पहुंचते मुकदमे और रिश्तों में बढ़ती कड़वाहट इस बात का संकेत हैं कि समाज अभी भी इस बदलाव को सहज रूप से स्वीकार नहीं कर पाया है।

हिंदू उत्तराधिकार कानून में हुए संशोधनों का उद्देश्य परिवारों में बेटियों के साथ होने वाले आर्थिक भेदभाव को समाप्त करना था। लेकिन वास्तविकता यह है कि आज भी बड़ी संख्या में परिवार बेटियों को संपत्ति में हिस्सा देने को सहज नहीं मानते। विवाह के समय दिए गए दहेज, उपहार या सामाजिक खर्च को ही उनका हिस्सा मान लिया जाता है। परिणामस्वरूप जब कानूनी अधिकार की बात आती है तो अनेक परिवारों में तनाव पैदा हो जाता है। यही कारण है कि आज एक साथ कई सवाल समाज के सामने खड़े दिखाई देते हैं। क्या बेटियों का हक एक नए मुकदमेबाजी बाजार को जन्म दे रहा है? क्या हक के नाम पर घर-परिवार टूट रहे हैं? क्या जमीन बिक रही है और रिश्ते बिखर रहे हैं? क्या कानून जीत रहा है, लेकिन परिवार हार रहा है? आखिर क्यों बेटियों के हक पर घेराबंदी की जा रही है? क्या पैतृक संपत्ति बचाने के नाम पर अधिकार छीने जा रहे हैं? क्या अदालतें पारिवारिक विवादों का नया अखाड़ा बनती जा रही हैं? ये सवाल केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक भी हैं।

चुपचाप हो रही संपत्तियों की बिक्री

सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या बेटियों के अधिकारों से बचने के लिए संपत्तियों की जल्दबाजी में बिक्री की जा रही है? ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरों तक ऐसे अनेक उदाहरण सामने आ रहे हैं, जहां माता-पिता या परिवार के बुजुर्ग बेटों के दबाव में जमीन, मकान या अन्य संपत्तियां बाजार मूल्य से कम कीमत पर बेच रहे हैं। कई बार यह बिक्री परिवार के भीतर या परिचितों के बीच कर दी जाती है, ताकि भविष्य में किसी हिस्सेदारी के दावे को कमजोर किया जा सके। निश्चित रूप से कानून की दृष्टि से हर बिक्री अवैध नहीं होती। यदि संपत्ति स्व-अर्जित है तो मालिक को उसे बेचने का अधिकार है। लेकिन यदि बिक्री के पीछे किसी वैधानिक उत्तराधिकारी को उसके अधिकार से वंचित करने की मंशा दिखाई देती है, तो ऐसे मामलों पर भविष्य में कानूनी सवाल खड़े हो सकते हैं। यही कारण है कि कई कानूनी विशेषज्ञ मानते हैं कि संपत्ति बेचकर विवाद समाप्त करने की सोच कई बार विवाद को और जटिल बना देती है।

क्या मुकदमेबाजी बन रही है नया उद्योग?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू मुकदमेबाजी का बढ़ता कारोबार है। समाज में ऐसे सलाहकारों, दलालों और स्वयंभू कानूनी विशेषज्ञों की संख्या बढ़ रही है जो पारिवारिक विवादों को सुलझाने के बजाय उन्हें अदालत तक पहुंचाने में अधिक रुचि रखते हैं। एक ओर बेटियों को यह कहकर मुकदमा करने के लिए प्रेरित किया जाता है कि उनका अधिकार छीना गया है, तो दूसरी ओर भाइयों को भरोसा दिलाया जाता है कि मामला वर्षों तक अदालत में उलझा रहेगा और विरोधी पक्ष थक जाएगा। विडंबना यह है कि ऐसे मामलों में जीत और हार से पहले सबसे अधिक लाभ मुकदमे की प्रक्रिया से जुड़े लोगों को होता है। तारीख पर तारीख, फीस पर फीस, दस्तावेजों की तैयारी, अपीलें और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं वर्षों तक चलती रहती हैं, जबकि परिवार आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से टूटता जाता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि कई मामलों में जमीन से अधिक मूल्यवान वकालत की फीस और मुकदमेबाजी का खर्च हो जाता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर फायदा किसका हो रहा है—परिवार का, बेटियों का, बेटों का या केवल मुकदमेबाजी के तंत्र का?

अदालत न्याय दे सकती है, परिवार नहीं लौटा सकती

भारतीय न्यायपालिका अधिकारों की रक्षा कर सकती है, लेकिन टूटे हुए रिश्तों को जोड़ना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। जब एक बहन अपने भाई के खिलाफ अदालत पहुंचती है या भाई बहन के दावे को चुनौती देता है, तब मामला केवल जमीन या मकान का नहीं रह जाता। परिवार की वर्षों पुरानी आत्मीयता, विश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा भी दांव पर लग जाती है। कई मामलों में मुकदमा समाप्त होने तक माता-पिता इस दुनिया से विदा हो चुके होते हैं, अगली पीढ़ी बड़ी हो जाती है और रिश्तों की दूरी स्थायी रूप ले लेती है। अदालत फैसला सुना देती है, लेकिन परिवार पहले जैसा नहीं रह पाता।

यदि बेटियों का अधिकार वैधानिक है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? और यदि परिवारों को लगता है कि कानून रिश्तों में तनाव पैदा कर रहा है, तो उसका समाधान अधिकारों को नकारना नहीं, बल्कि पारदर्शी और न्यायपूर्ण व्यवस्था विकसित करना है। संपत्ति के मामलों में माता-पिता को जीवनकाल में ही स्पष्ट निर्णय लेने चाहिए। परिवार के सभी सदस्यों को विश्वास में लेकर लिखित व्यवस्था बनानी चाहिए। संवाद और सहमति से निकला समाधान अदालत के फैसले से कहीं अधिक टिकाऊ और सम्मानजनक होता है।

आज सबसे बड़ी चुनौती कानून नहीं, बल्कि कानून की भावना को समझना है। बेटियों को अधिकार देने का उद्देश्य परिवारों को बांटना नहीं था, बल्कि उन्हें आर्थिक न्याय देना था। यदि लोग अधिकार से बचने के लिए संपत्तियां बेचने लगें, फर्जी व्यवस्थाएं करने लगें या मुकदमेबाजी को हथियार बना लें, तो यह कानून की मूल भावना के विरुद्ध होगा। समाज को यह समझना होगा कि बेटी को हिस्सा देना कोई कृपा नहीं, उसका वैधानिक अधिकार है। उसी तरह बेटियों को भी यह समझना होगा कि अधिकार की लड़ाई का पहला रास्ता संवाद होना चाहिए, मुकदमा नहीं।

सेल्फ-एक्वायर्ड प्रॉपर्टीः क्या बेटी बिक्री के बाद भी दावा कर सकती है?

किसी भी विवाद में अदालत सबसे पहले यह देखती है कि संपत्ति स्व-अर्जित है या पैतृक। यदि संपत्ति पिता ने स्वयं अर्जित की है, तो कानून उन्हें उसे बेचने, दान करने या किसी के नाम हस्तांतरित करने का अधिकार देता है। केवल बेटी को हिस्सा नहीं मिला, यह बिक्री रद्द करने का स्वतः आधार नहीं बनता। हालांकि यदि बिक्री में धोखाधड़ी, दबाव, फजीवाड़ा, मानसिक अक्षमता या कानूनी प्रक्रिया के उल्लंघन के प्रमाण मिलते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप कर सकता है। यदि बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर संपत्ति बेची गई हो और उसके पीछे किसी वारिस के अधिकार को प्रभावित करने की मंशा दिखाई दे, तो ऐसे सौदे जांच के दायरे में आ सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि अधिकांश विवाद अधिकारों की जानकारी के अभाव, समय रहते पारिवारिक सहमति न बनने और गलत सलाह के कारण पैदा होते हैं। इसलिए अदालत को पहला नहीं, अंतिम विकल्प होना चाहिए।

संपत्ति का विवाद केवल जमीन, मकान या धन का सवाल नहीं है। यह परिवार के संस्कार, न्यायबोध और भविष्य की पीढ़ियों को दिए जाने वाले संदेश का भी प्रश्न है। सदियों तक भारतीय समाज में बेटियों को ₹पराया धन₹ मानकर देखा गया। शादी के बाद उनका रिश्ता भावनाओं तक सीमित कर दिया गया, जबकि बेटों को परिवार की विरासत का स्वाभाविक उत्तराधिकारी माना गया। कानून ने इस असमानता को दूर करने का प्रयास किया, लेकिन क्या समाज की सोच भी उतनी ही तेजी से बदली है? आज भी अनेक परिवारों में बेटी को हिस्सा देने की बात आते ही कहा जाता है—₹उसे तो शादी में सब कुछ दे दिया गया₹, ₹अब उसका दूसरे घर से क्या लेना-देना?₹ लेकिन यही तर्क तब नहीं दिए जाते जब बेटी माता-पिता की बीमारी, संकट या बुजुर्गावस्था में बेटे के बराबर जिम्मेदारी निभाती है। महाभारत में धृतराष्ट्र की सबसे बड़ी भूल यह नहीं थी कि वे अपने पुत्रों से प्रेम करते थे, बल्कि यह थी कि पुत्रमोह में न्याय और अन्याय का भेद खो बैठे थे। जब परिवार में न्याय की जगह पक्षपात ले लेता है, तो परिणाम केवल संपत्ति का बंटवारा नहीं होता, बल्कि रिश्तों का विघटन और पीढ़ियों तक चलने वाली कटुता होती है। प्रश्न यह नहीं है कि बेटी को कानून ने अधिकार दिया है या नहीं। प्रश्न यह है कि क्या हम उसे परिवार का समान सदस्य मानने को तैयार हैं? यदि बेटी सुख-दुख में बराबर की भागीदार है, तो विरासत में उसका हिस्सा बोझ क्यों दिखाई देता है? कहीं ऐसा न हो कि आज का पुत्रमोह कल की पारिवारिक महाभारत बन जाए। न्याय से बचाकर बचाई गई संपत्ति शायद बच जाए, लेकिन उससे टूटे रिश्ते और बिखरा परिवार फिर कभी नहीं जुड़ते।

भारतीय समाज में बेटी के जन्म पर अब मिठाइयां बांटी जाती हैं, ₹बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ₹ के नारे लगाए जाते हैं, बेटियों को सेना से लेकर अंतरिक्ष तक पहुंचने पर सम्मानित किया जाता है, लेकिन जैसे ही बात पैतृक संपत्ति की आती है, प्रगतिशीलता का मुखौटा उतरने लगता है। यही वह मोड़ है जहां समाज की वास्तविक मानसिकता सामने आ जाती है। विडंबना देखिए, जिस बेटी को माता-पिता की सेवा, बीमारी, संकट और बुजुर्गावस्था में बेटे के बराबर जिम्मेदार माना जाता है, वही बेटी विरासत की चर्चा होते ही कई परिवारों में ₹बाहरी₹ घोषित कर दी जाती है। कानून ने बेटी को बराबरी का अधिकार दे दिया, लेकिन क्या समाज ने उसे बराबरी का दर्जा दिया? यही सवाल आज गांव से लेकर शहर तक हजारों परिवारों को बेचैन कर रहा है। पैतृक संपत्तियों की जल्दबाजी में हो रही बिक्री, परिवारों के भीतर बढ़ती गोपनीय रजिस्ट्रियां, अदालतों में बढ़ते उत्तराधिकार विवाद और रिश्तों के बीच खिंचती अदृश्य दीवारें संकेत दे रही हैं कि संघर्ष केवल जमीन का नहीं, सोच का है। यह लड़ाई रकबे और रजिस्ट्री से कहीं बड़ी है। यह उस मानसिकता की परीक्षा है जो बेटी को देवी तो मानती है, लेकिन उत्तराधिकारी मानने में अब भी हिचकती है। आने वाले वर्षों में यह प्रश्न केवल कानून का नहीं, भारतीय परिवार व्यवस्था के भविष्य का भी होगा

जेब है खाली, महंगी थाली : देश में महंगाई से कंगाली

-विक्रम दयाल

महंगाई आज केवल एक आर्थिक समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह आम जनजीवन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुकी है। बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जिस थाली में कभी दाल, सब्जी, रोटी और कुछ बचत की उम्मीद दिखाई देती थी, आज वही थाली दिन-प्रतिदिन महंगी होती जा रही है। परिणामस्वरूप लोगों की जेब खाली होती जा रही है और जीवन-यापन का संघर्ष लगातार कठिन होता जा रहा है। एक समय था जब सीमित आय वाला व्यक्ति भी अपने परिवार की आवश्यकताओं को आसानी से पूरा कर लेता था। लेकिन आज खाद्यान्न, सब्जियां, दूध, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग दोनों ही आर्थिक दबाव में जीवन जीने को विवश हैं। वेतन और आय की वृद्धि जिस गति से होनी चाहिए, उस गति से नहीं हो रही, जबकि खर्चों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव गरीब और मजदूर वर्ग पर पड़ता है। जिन परिवारों की आय सीमित है, उन्हें हर महीने यह तय करना पड़ता है कि बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करें, दवा खरीदें या घर का राशन पूरा करें। कई बार परिवारों को अपनी आवश्यक जरूरतों में भी कटौती करनी पड़ती है। बच्चों के पोषण, बुजुर्गों के इलाज और शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकताएं प्रभावित होती हैं। महंगाई केवल आर्थिक कठिनाई ही नहीं लाती, बल्कि सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देती है। बेरोजगारी, गरीबी, अपराध और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। जब व्यक्ति की आय और आवश्यक खर्चों के बीच का अंतर बढ़ता जाता है, तब उसके भीतर निराशा और असुरक्षा की भावना पैदा होती है। यही स्थिति समाज में असंतोष का कारण बन सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। खेती की लागत बढ़ रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। खाद, बीज, सिंचाई और कृषि उपकरणों के बढ़ते खर्च ने किसानों की आर्थिक स्थिति को कमजोर किया है। दूसरी ओर, शहरों में किराया, परिवहन और दैनिक उपभोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम नागरिकों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। महंगाई के पीछे अनेक कारण होते हैं, जैसे उत्पादन में कमी, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में वृद्धि, प्राकृतिक आपदाएं तथा वैश्विक आर्थिक अस्थिरता। लेकिन कारण चाहे जो भी हों, उसका सीधा प्रभाव आम जनता की थाली और जेब पर पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार, उद्योग जगत और समाज सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण, रोजगार के अवसरों का विस्तार, कृषि क्षेत्र को मजबूती तथा गरीब वर्ग के लिए प्रभावी कल्याणकारी योजनाएं महंगाई के प्रभाव को कम कर सकती हैं। साथ ही उत्पादन और वितरण व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाना भी आवश्यक है।अंततः, किसी भी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि उसके नागरिकों के जीवन स्तर से मापी जाती है। यदि जनता की जेब खाली हो और उसकी थाली महंगी होती जाए, तो विकास के आंकड़े भी लोगों के दर्द को नहीं छिपा सकते। एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र वही है, जहां हर नागरिक सम्मानपूर्वक जीवन जी सके, उसकी थाली भरपूर हो और भविष्य के प्रति उसके मन में विश्वास और आशा बनी रहे। महंगाई पर नियंत्रण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदना का भी प्रश्न है। महंगाई की समस्या पर चर्चा करते समय सरकार की भूमिका और जिम्मेदारी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता यह अपेक्षा करती है कि सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा आम लोगों को आर्थिक राहत प्रदान करने के लिए प्रभावी कदम उठाए। जब महंगाई लंबे समय तक बनी रहती है और आम नागरिक की क्रय शक्ति लगातार घटती जाती है, तब स्वाभाविक रूप से सरकार की नीतियों और उनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठने लगते हैं। विपक्ष जहां इसे सरकार की नीतिगत विफलता बताता है, वहीं सरकार वैश्विक परिस्थितियों, अंतरराष्ट्रीय बाजार और अन्य बाहरी कारणों का हवाला देती है। किंतु आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह होता है कि उसकी रसोई, उसकी आय और उसका जीवन कितना सुरक्षित और सुगम है।निष्कर्षः विकास का वास्तविक अर्थ केवल बड़ी परियोजनाओं, ऊंची इमारतों और आर्थिक आंकड़ों से नहीं है, बल्कि उस आम नागरिक की संतुष्टि से है जिसकी थाली सस्ती, जेब सुरक्षित और जीवन सम्मानजनक हो। यदि जनता महंगाई के बोझ तले दबी रहे, तो सरकारों को आत्ममंथन कर अपनी नीतियों की समीक्षा अवश्य करनी चाहिए।

पार्किंग को लेकर विवाद मामला पहुँचा पुलिस स्टेशन

भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवघर पुलिस स्टेशन की हद में आने वाली तिरुपति पूजा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। जो ऑरेंज हॉस्पिटल के बगल में स्थित बहुमंजिला इमारत भायंदर पूर्व में है। और इसी बिल्डिंग में फ्लैट क्रमांक 1107 में भगवान राठौड़ अपने परिवार के साथ रहते है। जिनका कार पार्किंग नंबर 13 अ है। जो उनके नाम से रजिस्टर्ड है। भगवान राठौड़ ने बताया कि हमारी पार्किंग 13अ में सोसाइटी चैयरमैन जयदीप प्रदीप ब्यास के उकसावे और साथ मिलने के बाद दूसरे लोग उसमें जबरदस्ती अपनी गाड़ियों की पार्किंग कर रहे हैं जब मैं उसका विरोध किया तब उन्हीं में से विपुल जाधव नामक ब्यक्ति ने जाति सूचक गंदी गंदी गली गलौच के बाद मुझे और परिवार को जान से मारने की जोरदार धमकी दिया है। जिसके कारण हम लोग भय के साये में जीवन बिताने के लिए मजबूर हैं। और नवघर पुलिस स्टेशन में इसी मामले को लेकर 27,5,2026 और 02,6 2026 को क्रमशः एनसीआर दर्ज किया गया है। और पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि जयदीप प्रदीप ब्यास और मयार्दा की सभी हदें पार कर देने वाले विपुल जाधव की इन हरकतों पर पुलिस द्वारा अंकुश नही लगाया गया तो इस सोसाइटी में होने वाली किसी बड़ी घटना से इनकार नही किया जा सकता है। फिलहाल भगवान राठौड़ ने पुलिस की कार्रवाई पर पूर्ण भरोसा जताया है। अब आने वाला ही समय ही बतायेगा कि तिरुपति पूजा सोसायटी की इन चर्चित मुद्दों का समाधान का पुलिस क्या निराकरण निकलती है। और सभी को एक शांत माहौल कैसे उपलब्ध करवायेगी।

मीरा भायंदर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश राजपुरोहित के पदग्रहण समारोह में जुटे कांग्रेसजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर (शहर) जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राकेश राजपुरोहित के सम्मान में भव्य पदग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे। समारोह में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राकेश राजपुरोहित का पुष्प और शाल पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। अपने संबोधन में राकेश राजपुरोहित ने कांग्रेस कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा मीरा भायंदर शहर की जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकताओं को एकजुट होकर काम करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और शहर के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी अपने विचार व्यक्त किए। पदग्रहण समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जहां कार्यकताओं ने नारेबाजी कर नए जिला अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया।

मालाड पूर्व के अप्पा पाड़ा में दिनदहाड़े चाकूबाजी, एक की मौत, तीन गंभीर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के मालाड पूर्व स्थित अप्पा पाड़ा इलाके में दिनदहाड़े चाकूबाजी की घटना सामने आई है। घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। दिनदहाड़े हुई इस चाकूबाजी की घटना से इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। क्षेत्र में इस वारदात को लेकर तरह-तरह की चचाएं चल रही हैं। पुलिस ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

अंदर से बाहर तक देखभाल: ओरल हेल्थ और त्वचा का गहरा संबंध

मुंबई/पटना। प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सोनिया दत्ता द्वारा विशेष ओरल हेल्थ विश्लेषण के अनुसार आज के स्किनकेयर-केंद्रित दौर में उपभोक्ता साफ और स्वस्थ त्वचा पाने के लिए अपनी दिनचर्या को बेहतर बनाने, अलग-अलग उत्पादों को आजमाने और अपने खान-पान पर अधिक ध्यान देने में पहले से कहीं अधिक समय और प्रयास लगा रहे हैं। फिर भी, कई लोगों के लिए मुंहासे, त्वचा बेजान दिखती है और मुंहासे, लालिमा या अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं बार-बार होती रहती हैं। उभरती समझ यह संकेत देती है कि इसका समाधान केवल त्वचा की सतह पर नहीं, बल्कि उससे कहीं गहराई में—खासतौर पर मौखिक स्वास्थ्य से जुड़ा हो सकता है। विशेषज्ञ अब मौखिक स्वच्छता और समग्र स्वास्थ्य के बीच संबंध पर जोर दे रहे हैं, जिसमें त्वचा पर इसके दिखने वाले प्रभाव भी शामिल हैं। जब मौखिक देखभाल में थोड़ी भी अनियमितता आती है, तो मुंह में बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं, जिससे हल्के स्तर की सूजन उत्पन्न होती है। यह आंतरिक असंतुलन तुरंत स्पष्ट नहीं होता, लेकिन समय के साथ यह शरीर के अन्य हिस्सों में दिखाई देने लगता है, और त्वचा अक्सर इसका पहला संकेत देती है। आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित और इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा स्वीकृत डाबर रेड टूथपेस्ट जैसे उत्पाद व्यापक मौखिक देखभाल को बढ़ावा देने में सहायक माने जाते हैं।

मोदी सरकार ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया : यशोमती ठाकुर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें; अमरावती में एनएसयूआई का पेपर लीक के विरोध में मशाल मार्च

मुंबई / अमरावती (उत्तरशक्ति)। नीट और सीबीएसई परीक्षा में पेपर लीक की घटनाओं के कारण देशभर के लाखों विद्यार्थियों को नुकसान हुआ है और मोदी सरकार ने विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। इससे छात्रों में भारी नाराजगी है। विद्यार्थी वर्षों तक कड़ी मेहनत कर पढ़ाई करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। पेपर लीक मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बजाय केवल उनके तबादले किए जा रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा देना चाहिए, ऐसी मांग कांग्रेस नेता और पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री यशोमती ठाकुर ने की। नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में हुई पेपर लीक की घटनाओं से देशभर के विद्यार्थियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस गंभीर अनियमितता के विरोध में शुक्रवार (5 जून) को शाम 7:30 बजे अमरावती में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की ओर से एक भव्य मशाल मार्च का आयोजन किया गया। इस मशाल मार्च में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड, खासदार बळवंत वानखडे, पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री यशोमती ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री डॉ. सुनील देशमुख, पूर्व महापौर विलास इंगोले तथा कांग्रेस के शहराध्यक्ष बबलूभाऊ शेखावत सहित युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। मोर्चे की शुरूआत शहर के ऐतिहासिक इरविन चौक से की गई। आंदोलनकारियों ने सबसे पहले भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को नमन कर मशालें प्रज्वलित कीं। हाथों में मशालें और केंद्र सरकार के विरोध में तख्तियां लेकर निकला यह मार्च शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जयस्तंभ चौक पहुंचा। वहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर मार्च का समापन किया गया। पूरे मार्ग में आंदोलनकारियों द्वारा लगाए गए नारों से अमरावती शहर गूंज उठा। इस दौरान विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को तुरंत रोकने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए तत्काल इस्तीफा देने की जोरदार मांग की गई। यह मशाल मार्च पेपर लीक मामले के मुख्य साजिशकताओं की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने, दोषियों को तत्काल कठोर सजा दिलाने तथा देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने की प्रमुख मांगों को लेकर निकाला गया था। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि जब तक विद्यार्थियों को न्याय नहीं मिलता और शिक्षा क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार का पूरी तरह उन्मूलन नहीं किया जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को सजा दिलाने के लिए आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मां के नाम एक पेड़ लगाए : डॉ अनील काशी मुरारका

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक पेड़ माँ के नाम' भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक भावनात्मक और पर्यावरण-अनुकूल अभियान है। इसके तहत लोग अपनी माँ के प्रति सम्मान और प्रेम जताने के लिए उनकी स्मृति या मां की याद में एक पेड़ लगाते हैं और प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेते हैं।

एम्पल मिशन संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में गोरेगांव ईस्ट शमशान भूमि के पास एक ऐसे ही अनूठे कार्यक्रम का भव्य आयोजन डॉ अनील काशी मुरारका द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनील काशी मुरारका द्वारा पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ और खूबसूरत बनाने की एक अनोखी पहल की गई। डॉ मुरारका के अनुसार बढ़ रही पर्यावरण चुनौती के बीच हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। ग्लोबल वार्मिंग जैसी विकट परिस्थितियों का निर्माण हो रहा है। ऐसे में वृक्ष ही हमारे जीवन दाता बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए , इससे मां, मातृभूमि और धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त होगी। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और हर व्यक्ति को इस धर्म का पालन करना चाहिए।

दो साल तक पुलिस को चकमा देने वाला कुख्यात बिल्डर सलमान डोलारे गिरफ्तार, जोन-3 पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई

गिरफ्तारी में बाधा डालने वाले 4 लोगो पर मुकदमा दर्ज

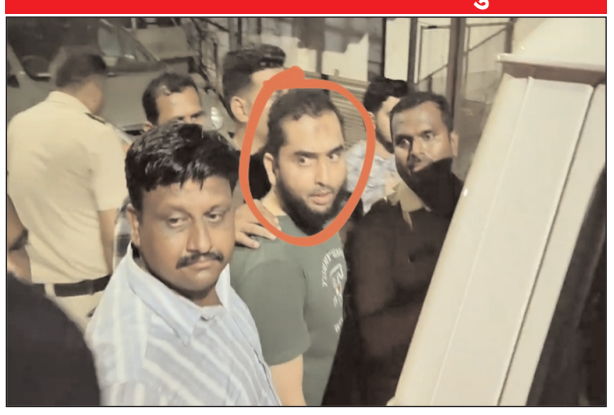

कल्याण (उत्तरशक्ति)। पिछले दो वर्षों से पुलिस और क्राइम ब्रांच की गिरफ्त से दूर चल रहा कुख्यात बिल्डर सलमान डोलारे आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। जोन-3 पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, आरक्षित भूखंडों पर अवैध निर्माण कर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के कई गंभीर मामले सलमान डोलारे के खिलाफ दर्ज हैं। पुलिस जांच के दौरान सूचना मिली थी कि डोलारे कल्याण के दूध नाका क्षेत्र स्थित खोटाल मंजिल इमारत की चौथी मंजिल पर छिपा हुआ है। इस सूचना के आधार पर पुलिस और क्राइम ब्रांच ने संयुक्त छापा मारकर उसे हिरासत में ले लिया। सलमान डोलारे के खिलाफ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन और बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में 12 से अधिक मामले दर्ज हैं। कल्याण के युसूफ हाइट्स सहित आरक्षित भूखंडों पर फर्जी दस्तावेजों और नकली हस्ताक्षरों के जरिए अवैध इमारतें खड़ी करने के आरोप भी उस पर हैं। इसके अलावा, अन्य अवैध इमारतों और बंगलों के निर्माण से जुड़े धोखाधड़ी मामलों में भी उसका नाम सामने आया है।

जमीन के सौदों में लोगों को ठगने के आरोप में उसके खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज हैं। उस पर तलाठी की नकली साइन, फर्जी मुहर और झूठे दस्तावेज तैयार करने जैसे गंभीर आरोप भी लगे हैं। गिरफ्तारी के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया था। तनाव निर्माण करने वाले 4 खोटाल बन्धुवों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है, किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

केसीएन क्लब निर्झरिणी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर 150वीं मासिक काव्य गोष्ठी सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर नगर में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब की साहित्यिक उपशाखा निर्झरिणी द्वारा 05 जून 2026 को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर 150वीं मासिक काव्य गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्झरिणी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष कवि शेखर तिवारी ने की। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि सांगली जिले के पूर्व शिक्षक माणिकराव कोकने उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में स्विजरलैंड से आये केसीएन क्लब प्रेमी समर्थक वर्ल्ड जूनियर, व निर्झरिणी अध्यक्ष कुमार कलहंस, कार्याध्यक्ष कवि अमित शिवकुमार दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथगण का स्वागत अंगवस्त्र सम्मान चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में केसीएन क्लब संस्थापक कमेटी के सदस्य किसान नेता पूर्व सैनिक स्वर्गीय पंडित छोटेलाल मिश्र की दूसरी पुण्यतिथि वर्षी पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में केसीएन क्लब द्वारा आयोजित वार्षिक आयोजन कारगिल पराक्रम जनजागृति मशाल पदयात्रा की व्यवस्था पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में निर्झरिणी कार्याध्यक्ष कवि अमित शिवकुमार दुबे का जन्मदिन मनाया गया सभी ने उनको जन्मदिन पर बधाई दी। कार्यक्रम में कवियों ने अपनी कविताओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन निर्झरिणी पालघर जिलाध्यक्ष नवरत्न मिश्र अर्पित ने किया। कार्यक्रम में केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दन मिश्र त्यागीजी, युवा मोर्चा पदाधिकारी चन्दन झा, बैजनाथ महतो, शुभम चौबे, अशोक कुमार, विजय मौर्या, सुभम तिवारी, सत्येंद्र यादव, हरिओम शरण मिश्र, अनिल चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार बाद निर्झरिणी मण्डल अध्यक्ष बसन्त चौहान ने सभी के प्रति आभार व्यक्त कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

प्रिंसिपल महेश सिंह की सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह में शामिल हुए गणमान्य

भायंदर (उत्तरशक्ति)। डिवाइन हम हिंदी हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, खारीगांव के प्रिंसिपल महेश रामचंद्र सिंह के सेवानिवृत होने पर पिछले दिनों कमलाकर पाटिल सभागृह में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। 33 वर्ष 5 माह की अखंड सेवा करने वाले महेश सिंह जाने माने शिक्षक और लोकप्रिय प्रिंसिपल रहे। विदाई समारोह की अध्यक्षता आदर्श सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक सिंह ने किया। प्रमुख अतिथि के रूप में महापौर डिंपल मेहता, रामसागर सिंह, राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल लल्लन तिवारी, आमदार ज्ञानेश्वर म्हात्रे,आमदार निरंजन डावखरे , सभापति मदन सिंह, परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह, बृजेश सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह, अवधेश नारायण सिंह , कौशलेंद्र सिंह प्रकाश सिंह, एडवोकेट राकेश कुमार सिंह ,मनोज सिंह, हेमंत सिंह तथा विशेष आमंत्रित के रूप में किरण चौबे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, पत्रकार देवेंद्र पोरवाल समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। अंत में महेश सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पालघर जिला परिषद में उत्साहपूर्वक मनाया गया शिवराज्याभिषेक दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। छत्रपती शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस के अवसर पर जिला परिषद पालघर में उत्साहपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद परिसर में शिवस्वराज्य गुढ़ी का विधिपूर्वक निर्माण किया गया और प्रवेश द्वार पर महाराज की प्रतिमा का पूजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शरीकमसलत और जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने प्रतिमापूजन किया। इसके बाद जयघोष के साथ राष्ट्रगीत और राज्यगीत प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम का आयोजन उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीकमसलत की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रारंभिक मार्गदर्शन में डॉ. प्रकाश हसनालकर ने छत्रपती शिवाजी महाराज के लोककल्याणकारी कार्यों का गौरव करते हुए राजर्षि शाहू महाराज, महात्मा ज्योतिराव फुले और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सामाजिक योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों के विचार आज भी समाज और प्रशासन के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। इजाज अहमद शरीकमसलत ने छत्रपती शिवाजी महाराज के प्रशासनिक दृष्टिकोण का महत्व रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि शिवराय द्वारा स्थापित लोकाभिमुख, न्यायनिष्ठ और पारदर्शी प्रशासन आज भी आदर्श माना जाता है और यही कारण है कि कई प्रशासकीय अधिकारी महाराष्ट्र की प्रशासन प्रणाली का अध्ययन करने में रुचि रखते हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे और अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील के मार्गदर्शन में जिला परिषद का प्रशासन विभिन्न विभागों के समन्वय से कुशलतापूर्वक कार्य कर रहा है। उनका कहना था कि पालघर को कुपोषणमुक्त बनाने की दिशा में जिले ने तेजी से प्रगति की है।

अंत में डॉ. प्रकाश हसनालकर ने छत्रपती शिवाजी महाराज की स्वराज्य की दृष्टि और धर्मनिरपेक्ष प्रशासनिक विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिवराय ने सभी समाज घटकों के लिए समान न्याय, सुरक्षा और विकास के अवसर सुनिश्चित किये। उनके ये विचार आज भी प्रशासन के लिए प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में कार्यकारी अभियंता (लघुपाटबंधारे) दिलीप पाडवी, कार्यकारी अभियंता (पानी आपूर्ति) गणेश गायकवाड, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उपस्थित सभी ने छत्रपती शिवाजी महाराज के लोककल्याणकारी आदर्शों को ध्यान में रखते हुए अधिक सक्षम व जनाभिमुख प्रशासन स्थापित करने का संकल्प लिया।

लाखों मुस्कानों और अनगिनत यादों का सफर : सूरज वॉटर पार्क के 28 वर्ष पूरे

मुंबई। लगभग तीन दशकों से सूरज वॉटर पार्क केवल एक वॉटर पार्क नहीं, बल्कि एक ऐसा स्थान रहा है जहाँ परिवार एक साथ आते हैं, दोस्ती के रिश्ते मजबूत होते हैं और जीवनभर साथ रहने वाली यादें बनती हैं। जो लोग कभी बचपन में यहाँ आया करते थे, वे आज अपने परिवारों के साथ लौट रहे हैं, जिससे सूरज वॉटर पार्क अनगिनत पारिवारिक कहानियों का एक अनमोल हिस्सा बन गया है।

मनोरंजन और खुशियों का एक अनूठा केंद्र बनाने के सपने के साथ शुरू हुई यह यात्रा आज महाराष्ट्र के सबसे प्रिय और प्रतिष्ठित मनोरंजन स्थलों में से एक बन चुकी है। लगभग तीन दशकों के दौरान सूरज वॉटर पार्क ने लाखों मेहमानों का स्वागत किया है और यह खुशी, विश्वास तथा पारिवारिक जुड़ाव का प्रतीक बन गया है। इस उल्लेखनीय यात्रा को अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है। सूरज वॉटर पार्क को गर्व के साथ प्राइड ऑफ महाराष्ट्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, साथ ही इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित गोल्डन पोनी अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त, यह लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में छह बार स्थान प्राप्त कर इतिहास रच चुका है। हालांकि, पार्क की सबसे बड़ी उपलब्धि उन परिवारों का प्रेम और विश्वास है जिन्होंने इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर सूरज वॉटर पार्क के अध्यक्ष अरुण मुच्छला ने कहा, हमारे लिए हर मुस्कान, हर बार लौटकर आने वाला परिवार और हमारे पार्क में बनने वाली हर याद एक आशीर्वाद है। लगभग तीन दशकों से सूरज वॉटर पार्क परिवार, खुशियों और एकजुटता के मूल्यों पर खड़ा है। हमें मिले पुरस्कार और सम्मान हमारे लिए गर्व की बात हैं, लेकिन हमारे मेहमानों का स्नेह और विश्वास ही हमारा सबसे बड़ा पुरस्कार है।

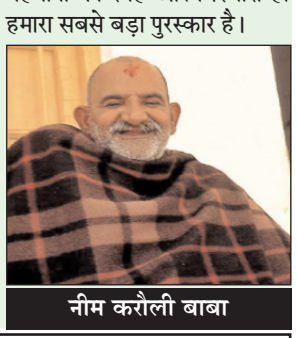

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संपूर्ण समाधान दिवस पर पहुंचे खिलाड़ियों ने खेल भूमि को कब्जा मुक्त किए जाने की उठाई मांग

कुल 374 शिकायत पत्र मिले, सिर्फ 4 शिकायत पत्रो का मौके पर हुआ निस्तारण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब में संपूर्ण समाधान दिवस पर राजातालाब तहसील स्थित सभागार में उप जिलाधिकारी शांतुन कुमार सिनसिनवार नक्षत्र के आए हुए 374 लोगों का विभिन्न शिकायतों को सुनी जिसमें सिर्फ 4 शिकायत पत्रों का मौके पर निस्तारण कि या।सं पू र्ण समाधान दिवस के दौरान जंसा गांव से आए दर्जनों किशोरों ने अपने गांव की खेल की भूमि को कब्जा मुक्त किए जाने की मांग को लेकर सभागार में फर्श पर बैठ गए। उपजिलाधिकारी ने उक्त युवकों से उनकी समस्या पूछी और तत्काल फोन कर मौके पर लेखपाल और राजस्व निरीक्षक को भेजा। राजस्व निरीक्षक और लेखपाल ने गांव में पहुंचकर उक्त भूमि की माप की तथा उसे पर से कब्जा हटाने का निर्देश दिया।श्याम सुंदर सरोज ने अपने भूमि को लेकर नापी और मेड़बंदी किए जाने का प्रार्थना पत्र दिया। करसड़ा के छोटेलाल ने शिकायत की कि उनके परिवार में उनका बंटवारा का मुकदमा चल रहा है फिर भी कुछ लोग उस स्थान पर नवनिर्माण करने को अमादा है जिसे रोके जाने की जरूरत है। मटुका गांव के लाल बहादुर ने गांव की चकमार्ग पर अतिक्रमण को हटाने की मांग की।चौखंडी की मीरा देवी ने अपनी भूमि पर फिर से अपना कब्जा दिलाया जाने की मांग की।उपजिलाधिकारी ने सभी लोगों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को आदेशित किया।समाधान दिवस के दौरान गोमती जोन के एडीसीपी नृपेंद्र, एसीपी राजातालाब अजय कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार,नायब तहसीलदार सहित सभी विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एशिया कप के जीतने पर गंगापुर हॉकी अकादमी ने तिरंगा झंडा लहरा कर मनाया जश्न, बांटी मिठाई

भारत की टीम में वाराणसी जिले के खिलाड़ी रहे प्रतिभागी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया वर्तमान में चल रहे एशिया कप का शनिवार को फाइनल मुकाबला भारत बनाम जापान के बीच खेला गया जिसमें भारत ने 4-1 से मुकाबला जीतकर गोल्ड मैडल अपने नाम किया। भारत की टीम में वाराणसी जिले के सीर गोवर्धनपुर निवासी खेलाड़ी राहुल यादव भी प्रतिभाग किये थे।जिसको लेकर गंगापुर हाकी अकादमी के खिलाड़ियों ने दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं तिरंगा फहराकर जीत का जश्न मनाया एवं भारतीय टीम में खेलने हेतु संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर लाल बहादुर मौर्य, मोहम्मद अंसार अंसारी, अनीश कुमार यादव, प्रदीप कुमार सिंह एडवोकेट, अवधेश कुमार लाल, कुणाल राजभर, उपलक्ष श्रीवास्तव, त्रिलोकी, अन्यया यादव, दीतिश्री, रक्षिता सहित तमाम खिलाड़ी उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण और रुक्मणी का विवाह सच्चे प्रेम ,भक्ति और समर्पण की विजय कहानी: अजय महाराज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल धर्म स्थापना और युद्ध विजय तक सीमित नहीं था, बल्कि यह प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से भी जुड़ा हुआ था। उनके जीवन की अनेक लीलाओं में से एक सबसे महत्वपूर्ण घटना थी रुक्मिणी विवाह। यह केवल एक राजकुमारी और एक राजकुमार का विवाह नहीं था, बल्कि यह सच्चे प्रेम, भक्ति और समर्पण की विजय की कहानी है। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित सियरावासी गांव में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में छठे दिन व्यास पीठ से बोलते हुए काशी के प्रख्यात कथावाचक अजय महाराज गुरुजी ने रुक्मणी विवाह पर कथा सुनाते हुए उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को मन, वचन और कर्म से अपना पति मान लिया था, लेकिन उनके भाई रुक्मी ने उनके विवाह को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। फिर भी, जब प्रेम सच्चा हो और भक्ति अडिग हो, तो स्वयं भगवान उसे सफल बनाते हैं। यही सिद्धांत इस कथा का मूल है। मंच पर श्री कृष्णा और रुक्मणी का विवाह कराया गया श्रद्धालु महिलाओं ने कन्यादान कर धार्मिक रस्म को पूरा किया। कथा में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य अर्चक राजेश पाठक, पूर्व विधायक बाबा दुबे के भाई प्रेम दुबे, डॉ श्रीपाल पांडे, रामअनंद पांडे , रामनयन तिवारी, ओमकार तिवारी, सदापति तिवारी, दयाराम उपाध्याय, अवधेश यादव, कैलाश नाथ पांडे सरपंच, अवधेश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार प्रमोद पांडे, राजीव पांडे, समाजसेवी डी एस तिवारी, श्रवण तिवारी, संतोष दुबे, ध्रुव शंकर तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, समाजसेवी शरद मिश्रा,सोनू तिवारी, राम शिरोमणि तिवारी, रमाशंकर तिवारी, राजकुमार तिवारी, राधेश्याम तिवारी, ग्राम प्रधान संगीता तिवारी, प्रभात मिश्रा, राम कीर्तास तिवारी आदि का समावेश रहा।

रजिस्ट्री होते ही शुरू होगा नामांतरण, योगी सरकार ला रही बड़ा बदलाव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में जमीन और मकान खरीदने वालों को बड़ी राहत मिलने वाली है। रजिस्ट्री के बाद दाखिल-खारिज की प्रक्रिया स्वतः शुरू होगी, जिससे तहसीलों के चक्कर और लंबा इंतजार खत्म हो सकेगा। जमीन और मकान की खरीद-बिक्री से जुड़ी प्रक्रिया में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। योगी आदित्यनाथ सरकार संपत्ति पंजीकरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। प्रस्तावित नई व्यवस्था के तहत अब रजिस्ट्री कराने के बाद नामांतरण (दाखिल-खारिज) के लिए अलग से आवेदन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रजिस्ट्री पूरी होते ही संबंधित जानकारी स्वतः राजस्व विभाग तक पहुंच जाएगी और नामांतरण की प्रक्रिया अपने आप शुरू हो जाएगी।

युवाओं के सपनों को मिली उड़ान: सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान योजना से बदली जिंदगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी अनामिका सरोज पुत्री कड़े सरोज निवासिनी कुरनी, समधगंज, मछलीशहर ने स्नातक की शिक्षा पूरी करने के बाद अपने भविष्य को लेकर कई सपने संजोए थे। वह अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार का सहारा बनना चाहती थीं, लेकिन रोजगार की तलाश में किए गए लगातार कई असफल प्रयास ने उन्हें निराशा दिया। समय बीत रहा था और उनके मन में आत्मनिर्भर बनने की चाह और भी प्रबल होती जा रही थी।

इसी दौरान उन्हें शासन की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना (सी०एम० युवा उद्यमी योजना) के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। यह योजना उनके लिए आशा की एक नई किरण बनकर सामने आई। उन्होंने योजना के अंतर्गत आवेदन किया और जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर के सहयोग से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा मछलीशहर से ?5 लाख का ऋण प्राप्त किया।

इस आर्थिक सहायता ने उनके सपनों को नई उड़ान दी। उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर स्थापित किया और पूरी लगन एवं मेहनत से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। आज अनामिका न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि दो अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध कराकर उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दे रही हैं। जो युवती कभी रोजगार की तलाश में भटक रही थी, वही आज दूसरों के लिए रोजगार का माध्यम बन चुकी है। उनके चेहरे की मुस्कान और आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण हैं कि सही अवसर और सरकारी सहयोग मिलने पर कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता।

इसी क्रम में योजना के लाभार्थी राज कुमार सिंह पुत्र महेंद्र प्रताप सिंह निवासी नौरंगाबाद, गजेंद्रपुर, जौनपुर ने भी अपने अनुभवों को साझा किया है। राज कुमार सिंह ने स्नातक की शिक्षा पूरी करने के बाद एक बेहतर भविष्य का सपना देखा था। वह अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में हाथ बंटाना चाहते थे, लेकिन रोजगार के सीमित अवसरों के कारण उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही थी। कई बार परिस्थितियां उन्हें निराश करती थीं, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी।

इसी दौरान उन्हें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना (सी०एम० युवा) के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने योजना में आवेदन किया और जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर के मार्गदर्शन में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा पट्टीनरेन्द्रपुर से 5 लाख का ऋण प्राप्त किया।

इस सहायता से उन्होंने अपना स्वरोजगार स्थापित किया और अपने जीवन की नई शुरूआत की। मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने अपने व्यवसाय को सफल बनाया। आज वे न केवल स्वयं सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर रहे हैं, बल्कि दो अन्य युवाओं को भी रोजगार देकर उनके जीवन में उम्मीद की नई रोशनी जगा रहे हैं।

राज कुमार की यह यात्रा इस बात का उदाहरण है कि यदि संकल्प मजबूत हो और सही समय पर सहयोग मिल जाए, तो कठिन से कठिन परिस्थितियों को भी सफलता में बदला जा सकता है।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना केवल वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली योजना नहीं है, बल्कि यह युवाओं के सपनों को साकार करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। अनामिका सरोज और राज कुमार सिंह जैसे लाभार्थियों की कहानियां इस योजना की सफलता का जीवंत प्रमाण हैं।

आज ये दोनों युवा न केवल अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं, बल्कि समाज में रोजगार सृजन कर अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि जब सरकार की योजनाएं सही पात्रों तक पहुंचती हैं, तो वे केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज का भविष्य बदल सकती हैं।

हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करने वालों को जनता सत्ता से बाहर करेगी: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि देश की जनता अब धर्म और जाति की राजनीति से ऊपर उठकर बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय जैसे मूल मुद्दों पर जवाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि वर्षों से जनता का ध्यान वास्तविक समस्याओं से भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लिम की राजनीति की जाती रही है, लेकिन अब लोग इसकी सच्चाई समझ चुके हैं।

कटघरा स्थित पीडीए भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में अरशद खान ने कहा कि देश में घुसपैठ, आतंकवाद, परीक्षा पेपर लीक, सार्वजनिक निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार, गौशालाओं की बदहाली, बेसहारा पशुओं की समस्या, बड़े आर्थिक अपराधियों के विदेश भागने तथा धार्मिक आयोजनों में होने वाली दुर्घटनाओं जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता को भावनात्मक मुद्दों के बजाय इन वास्तविक समस्याओं पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गाय संरक्षण के नाम पर सरकारी अनुदान लेने वालों और व्यवस्थाओं की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। साथ ही नोटबंदी, कोविड महामारी और लॉकडाउन जैसी नीतियों से आम जनता को हुई परेशानियों पर भी सवाल उठाए जाने चाहिए।

अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सर्वधर्म और सर्वजाति के हितों की राजनीति करती रही है। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव ने सभी वर्गों के विकास और सामाजिक न्याय के लिए लगातार काम किया है।

उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जनता विकास, भाईचारा और सामाजिक न्याय के मुद्दों को प्राथमिकता देगी तथा अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में नई सरकार बनाने का निर्णय करेगी।

डीएम को प्रदर्शनी में दिखीं खामियां, झूलों की पीडब्ल्यूडी जांच और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीआरपी कॉलेज मैदान में चल रही प्रदर्शनी के औचक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं में कई कमियां पाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने बड़े झूलों और अन्य संरचनाओं की पीडब्ल्यूडी से तकनीकी जांच कराने के निर्देश दिए तथा सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता न करने की चेतावनी दी।

शनिवार देर शाम निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी परिसर में लगे झूलों, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन उपकरणों और साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने पाया कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। इस पर उन्होंने प्रदर्शनी प्रबंधन को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि सभी बड़े झूलों एवं अस्थायी संरचनाओं की पीडब्ल्यूडी से जांच कराकर उनकी सुरक्षा प्रमाणित कराई जाए। साथ ही सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील रखे जाएं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों और वालंटियर्स के पहचान पत्र न होने, विद्युत पोल एवं वायरिंग की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई और सभी कर्मियों के आईडी कार्ड अनिवार्य रूप से जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने अग्निशमन व्यवस्था को भी अपर्याप्त बताते हुए फायर सेफ्टी उपकरणों को मानक के अनुरूप स्थापित करने तथा हर समय उपयोग के लिए तैयार रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रदर्शनी परिसर में नियमित साफ-सफाई, पर्याप्त शौचालय और पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

खान-पान की दुकानों पर रेट लिस्ट न होने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने सभी दुकानदारों को मूल्य सूची प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शहरी सीमा से बाहर बिकेगा मांस-मछली, एआई चैटबॉट से टैक्स जमा करने वाला यूपी का पहला निगम बना काशी

वाराणसी नगर निगम की हुई बैठक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के नगर निगम की सदन बैठक शनिवार को टाउनहॉल में मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में शहर के विकास, स्वच्छता और तकनीकी अपग्रेडेशन को लेकर कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए। बैठक में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल सहित सभी वार्डों के पार्षद और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शहरी सीमा के बाहर शिफ्ट होंगी मांस-मछली की दुकानें: शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब वाराणसी की शहरी सीमा के भीतर मांस और मछली की बिक्री नहीं होगी। इसके लिए शहरी सीमा से बाहर पांच स्थानों का चयन किया गया है। रामनगर, सूजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर, शिवपुर, सदन में इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई है और जल्द ही इन जगहों पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। आगामी दिनों में शहर के भीतर चल रही दुकानों को इन्हीं पांच क्षेत्रों में स्थानांतरित (Shift) किया जाएगा। शिवपुर में फुटकर फल मंडी विकसित करने का भी प्रस्ताव है, जहां फल व्यवसायियों के लिए लगभग 500 दुकानें प्रस्तावित की गई हैं।

एआई चैटबॉट सेवा शुरू, वाराणसी ने रचा इतिहास: वाराणसी नगर निगम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट के जरिए टैक्स जमा कराने की सुविधा देने वाला उत्तर प्रदेश का पहला नगर निगम बन गया है। मेयर अशोक कुमार तिवारी ने बटन दबाकर इस एआई चैटबॉट सेवा का शुभारंभ किया। **चैटबॉट नंबर: 8601872601**

इस नंबर पर नागरिक अपने मकान नंबर या मकान आईडी नंबर को दर्ज करके घर बैठे ऑनलाइन गृहकर (House Tax), सीवरकर और जलकर जमा कर सकेंगे।

'नो फ्यूल डे': ई-रिक्शा से पहुंचे मेयर और नगर आयुक्त: पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण का संदेश देने के लिए शनिवार को नगर निगम में 'नो फ्यूल डे' का पालन किया गया। इसके तहत मेयर अशोक कुमार तिवारी ई-टो टो (ई-रिक्शा) से और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ई-टेम्पो से टाउनहॉल स्थित सदन की बैठक में पहुंचे। कई अन्य पार्षदों और अधिकारियों ने भी ई-वाहनों का उपयोग किया।

सपा-भाजपा पार्षदों में बहस: बैठक के दौरान समाजवादी पार्टी और भाजपा के पार्षदों के बीच विकास कार्यों और लेबर-मिस्त्रियों की सूची को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। सपा पार्षद अमर देव यादव ने वार्डवार कार्यों की सूची न मिलने का मुद्दा उठाया, जिस पर भाजपा पार्षद राजेश यादव 'चल्लू' और चंद्रनाथ मुखर्जी ने पलटवार किया। नगर आयुक्त ने तीन दिनों के भीतर सूची उपलब्ध कराने का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

पार्षदों की नाराजगी: पार्षद अनिल सोनकर और हारून अंसारी ने आरोप लगाया कि क्षेत्रों में हो रहे कार्यों की जानकारी पार्षदों को नहीं दी जाती है। उन्होंने वार्डवार समरी और पारदर्शिता की मांग की।

अवैध कब्जों पर कार्रवाई की मांग: पार्षद बृजेश चंद्र श्रीवास्तव ने बंजर और नजूल की जमीनों पर अवैध कब्जों तथा पट्टा अवधि समाप्त हो चुकी जमीनों को खाली कराने की मांग की। वहीं पार्षद सिंधु कुमार मौर्य ने बहुमंजिला इमारतों और फ्लैटों को गृहकर के दायरे में लाने का सुझाव दिया।

शोक संवेदना: बैठक के अंत में पूर्व पार्षद लीलाराम सचदेवा और गायत्री मिश्रा को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

जाफराबाद में खत्म हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा, टावर से उतरा पवन निषाद, पुलिस अपने साथ ले गई थाने

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जाफराबाद क्षेत्र के इमलो गांव में प्रेम प्रसंग को लेकर हुए हाई वोल्टेज ड्रामे का अंत हो गया। कई घंटों तक मोबाइल टावर पर चढ़ा रहा युवक पवन निषाद आखिरकार प्रशासन और स्थानीय लोगों के समझाने-बुझाने के बाद सुरक्षित नीचे उतर आया। युवक के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंच गया था। घटना को लेकर क्षेत्र में भारी भीड़ जुट गई और लोगों की निगाहें युवक को नीचे उतारने के प्रयासों पर टिकी रहीं। पुलिस अधिकारियों ने धैर्यपूर्वक बातचीत कर युवक को समझाया, जिसके बाद वह टावर से नीचे उतरने के लिए राजी हो गया। टावर से उतरते ही पुलिस प्रशासन ने युवक को अपनी निगरानी में लिया और आवश्यक पूछताछ व कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गई। घटना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर इलाके में चर्चा का माहौल बना है पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा घटना के पीछे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

सही पत्रकारों को सरकार देगी असली सम्मान, फर्जी पत्रकारों का खेल खत्म

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ/नई दिल्ली पत्रकारिता जगत के लिए बड़ी खबर सरकार ने साफ कर दिया है कि अब असली और निष्पक्ष पत्रकारों को पूरा सम्मान मिलेगा जबकि फर्जी पत्रकारों पर शिकंजा कसा जाएगा

क्या है सरकार का प्लान

असली पत्रकारों की पहचान: जो ग्राउंड पर जाकर सच्ची रिपोर्टिंग करते हैं, जनता की आवाज उठाते हैं, उन्हें सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता और विशेष सम्मान दिया जाएगा।

फजीर्वाड़े पर लगाम: सिर्फ प्रेस कार्ड गले में लटकाकर ब्लैकमेलिंग करने वाले, बिना खबर के वसूली करने वाले फर्जी पत्रकारों की लिस्ट तैयार हो रही है।

खेल खत्म' का ऐलान: सरकार ने दो टूक कहा अब पत्रकारिता के नाम पर दलाली नहीं चलेगी। जो कलम का गलत इस्तेमाल करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई होगी। सरकार मानती है कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ तभी मजबूत होगा जब ईमानदार पत्रकारों को मंच और सम्मान मिलेगा। इसके लिए नई नीति जल्द लाई जाएगी।

एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स के दो विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में अध्ययनरत एमबीए (बिजनेस इकोनॉमिक्स) के विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। विभाग के छात्र हर्ष तिवारी का चयन सीजीएमपी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के नोएडा स्थित मुख्य कार्यालय में एचआर एग्जीक्यूटिव पद पर हुआ है। उन्हें 4.5 लाख रुपये वार्षिक वेतन पैकेज प्रदान किया गया है।

इसी क्रम में विभाग की छात्रा काजल साहू का चयन एचडीएफसी बैंक में कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव पद पर हुआ है। उन्हें 4 लाख रुपये वार्षिक वेतन पैकेज प्राप्त हुआ है। चयन के उपरांत उनका प्रशिक्षण मोहाली में आयोजित किया जाएगा। दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय एवं विभाग का नाम गौरवान्वित हुआ है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो.मानस पाण्डेय, डॉ.आशुतोष कुमार सिंह, डॉ.निशा पाण्डेय तथा डॉ.अंजनी तिवारी ने हर्ष तिवारी एवं काजल साहू को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों की इस सफलता से विभाग के अन्य छात्रों में भी उत्साह और खुशी का माहौल है।

सांस्कृतिक दलों के पंजीकरण हेतु 30 जून तक किया जा सकता है आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक दलों के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र (ऑडीशन फार्म) जमा करने की तिथि 30 जून, 2026 तक निर्धारित की गई है ।

विभिन्न लोक विधाओं यथा लोकगीत, भजन, आल्हा, कठपुतली, कव्वाली, जादू, नौटंकी, लघु सांस्कृतिक दल, वृहद सांस्कृतिक दल एवं नाटक दल सहित कुल 10 विधाओं में पंजीकरण किया जाएगा। पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र (ऑडीशन फार्म) सूचना विभाग की वेबसाइट information.up.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आवेदन पत्र सूचना निदेशालय के गीत एवं नाट्य प्रभाग से कार्यदिवसों में भी प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक दल निर्धारित आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक अभिलेख संलग्न कर 30 जून, 2026 तक निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय सूचना परिसर, 16 पार्क रोड, लखनऊ-226001 के पते पर स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से भेज सकते हैं।

गधियाँवा में संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन संपन्न

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। पुरुषोत्तम मास के पावन शनिवार अवसर पर ग्राम गधियाँवा के शुक्लान पुरवा स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भव्य भजन संध्या का आयोजन समाजसेवक दिनेश पांडेय जी के आयोजन में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम एवं संकटमोचन हनुमान जी के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। तत्पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित भक्तगणों ने भक्ति रस में डूबकर प्रभु श्रीराम एवं बजरंगबली का गुणगान किया। भजन-कीर्तन के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं ने परिवार सहित सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं जलपान वितरित किया गया। अविनाश ने कहा, 'गांव की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता यह दर्शाती है कि हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता आज भी उतनी ही मजबूत है।' दिनेश ने कहा, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी सामाजिक विरासत के संवाहक हैं। ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ समाज में सद्भाव, सहयोग और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं। इस अवसर पर आयोजक दिनेश कुमार पांडेय (समाजसेवक) एवं अविनाश दिनेश पांडेय (पत्रकार एवं समाजसेवक) ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समस्त ग्रामवासियों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन निवेदन ग्रामवासियों के एकता अखंडता से संपन्न हुआ।

स्नेहा दुबे पंडित ने वसई ईस्ट में लगाए पौधे

वसई। पेड़-पौधे और बेलें हमारे अपने हैं, जंगल में रहने वाले जीव हमारे साथी हैं। पृथ्वी हमारी माँ है। हालाँकि उसका कर्ज पूरी तरह चुकाना नामुमकिन है, फिर भी उसकी सेवा और संरक्षण करना हर किसी का कर्तव्य है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर, एवरशाइन बूथ नंबर 220, वसई ईस्ट द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित शामिल होने का मौका मिला। हमारे सम्मानित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए प्रेरणादायक अभियान एक पेड़ माँ के नाम का समर्थन करते हुए, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।आज लगाए गए पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अनमोल उपहार साबित होंगे—जो उन्हें स्वच्छ हवा, हरा-भरा पर्यावरण और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करेंगे। इस मौके पर उदय शेट्टी (अध्यक्ष, बीजेपी वसई ईस्ट-साउथ मंडल), राजदेव सिंह, मयंक सेठ, नंदू पवार, वसंत राठौड़ और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। पेड़ लगाएँ, पर्यावरण बचाएँ और आने वाली पीढ़ियों को एक हरा-भरा भविष्य सौंपें।

अब हर खिलाड़ी तक पहुंचेगी विश्वस्तरीय क्रिकेट कोचिंगए कबुनी का वैश्विक एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च

मुंबई। कबुनी एक क्रांतिकारी एआई संचालित वैश्विक स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्मए का आधिकारिक शुभारंभ मुंबई में आयोजित उसके पहले Playtime 2026 कार्यक्रम के दौरान किया गया। इसके साथ ही कबुनी ने सभी स्तरों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए सुलभ और विश्वस्तरीय कोचिंग के एक नए युग की शुरूआत की है। खेल, प्रौद्योगिकी और नवाचार के संगम पर स्थापित कबुनी ने प्रशिक्षण के लिए दुनिया में पहली बार अपनाया गया एक अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। उन्नत एआई तकनीक की सहायता से यह खिलाड़ियों को रियल.टाइम और व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करता हैए जिससे हर स्तर के खिलाड़ी कहीं भी और कभी भी अपने खेल में सुधार कर सकते हैं। वैश्विक

लॉन्च के साथ कबुनी ने अपने सुपर कोचों की भी घोषणा की हैए जिनमें दिग्गज क्रिकेटर सौरव गांगुलीए शेन वॉटसनए एबी डिविलियर्स और श्रेयस अय्यर शामिल हैं। ये महान खिलाड़ी इंटरैक्टिव चुनौतियों और युवा टूर्नामेंटों के माध्यम से अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को प्रेरित करने और उनका मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस प्लेटफॉर्म के केंद्र में एक सरल लेकिन शक्तिशाली उद्देश्य है द हर खिलाड़ी की जेब में एक विश्वस्तरीय क्रिकेट कोच पहुंचाना। कबुनी उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग को लोकतांत्रिक बनाकर दुनिया भर के खिलाड़ियों के सीखने और विकास के तरीके में बदलाव लाने का प्रयास कर रहा है। माता-पिता द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म आधुनिक परिवारों के सामने मौजूद चुनौतियों और बढ़ते स्क्रीन टाइम के प्रभाव को समझता है। कबुनी का उद्देश्य बच्चों को अधिक खेलने और कम स्क्रॉल करने के लिए प्रेरित करना हैए ताकि निष्क्रिय स्क्रीन टाइम को सक्रिय, सहभागितापूर्ण और कौशल विकासकारी अनुभवों में बदला जा सके। कबुनी के संस्थापक निमेश पटेल ने खेलों के माध्यम से अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से प्रेरित होकर इस प्लेटफॉर्म का निर्माण किया हैए ताकि युवा दोबारा खेलों से जुड़ सकें और अपनी क्षमताओं को विकसित कर सकें। यह प्लेटफॉर्म अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के साथ.साथ माता.पिता, शिक्षकों और कोचों को अधिक सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने में सहायता करता है।

बभनी-रेणुकूट मार्ग पर सड़क हादसा, दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

-रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, बभनी (सोनभद्र)। जनपद के बभनी थाना क्षेत्र में रविवार को हुए एक सड़क हादसे में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बभनी-रेणुकूट मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के समीप हुआ, जहां एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, म्योरपुर थाना क्षेत्र के आरंगपानी निवासी बुझावन (25) पुत्र भीम सिंह एवं राजेश कुमार (24) पुत्र रामलखन मोटरसाइकिल से बभनी की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में बुझावन की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल बुझावन को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि दूसरे घायल का उपचार जारी है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक डीपी यादव ने बताया कि घायलों की पहचान कर ली गई है तथा फरार वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिससे वाहन की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा सके।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सपनों का भारत बनाने के लिए आगे आयें: चंद्र कुमार बोस

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तर शक्ति)। नेता जी सुभाष चंद्र बोस के पौत्र (आझाद हिंद फ्रंट) चंद्र कुमार बोस ने सभी देशवासियों का आवाहन किया है कि वे नेता जी सुभाष चंद्र बोस के सपनों का भारत बनाने के लिए आगे आयें। वे आज यहां दादर में पर्यावरण दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में केवल सत्ता परिवर्तन हुआ है व्यवस्था परिवर्तन नहीं। हमें अब व्यवस्था परिवर्तन के लिए एकजुट होना है और नेता जी ने जिस तरह का देश बनाने का सपना देखा था उसे पूरा करने की दिशा में काम करना है। उन्होंने बाबूभाई भवानजी और राज साहेब महेता के सामाजिक कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की। सभा में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि इस अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध के कारण तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई है इसलिए प्रत्येक देशवासी को यह स्थिति समझनी चाहिए और सरकार के साथ सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबू भाई भवानजी ने यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके सराहनीय कार्य किया है। सभा में पर्यावरणविद श्री गिरीश राउत, बाबूभाई भवानजी, आरजू के संस्थापक राजसाहेब मेहता,आदि ने भी संबोधित किया । आरजू सभागृह दादर (ईस्ट) विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वर्तमान ऊर्जा संकट और ग्रीन एनर्जी विषय पर बोलते हुए बाबूभाई भवानजी ने कहा कि हरित ऊर्जा वह ऊर्जा है जो प्राकृतिक स्त्रोतों से प्राप्त होती है और पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाती है। इसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, और जैविक ऊर्जा शामिल हैं। हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने से प्रदूषण कम होता है और पृथ्वी का संरक्षण होता है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस के

नातु श्री चंद्रकुमार बोस ने कहा कि हरित ऊर्जा के उपयोग से वायुऱ प्रदूषण में कमी आती है,जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या कम होती है। यह प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में मदद करता है और जैव विविधता को सुरक्षित रखता है। उन्हाने सभी राष्ट्र भक्त लोगों से वृक्ष लगाने की अपील की ' इस सभा में RPI के मुंबई अध्यक्षः सिद्धार्थ कसारे,सिनियर नेता सुभाष साळवी, महामंत्री प्रविण मोरे,जनार्दन जंगले,एडवोकेट सुरेन्द्र मिश्रा, इकबाल मेमन, श्रीमती चंद्रकला जंगले,अनिल महेता, सुनिल वरतरकर,चंद्रकांत गायकर, राजेंद्र पालव, लालजी कोरी आदि उपस्थित थे। एडवोकेट सिनियर पत्रकार सुरेन्द्र मिश्रा ने संस्था का कार्य अहवाल दिया और आभार प्रकट किया। जनार्दन जंगले ने स्वागत भाषण और कार्य की रूप रेखा प्रस्तुत की।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली चैत्र के सराययुसुफ गांव में ननिहाल आए युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। युवक सराययुसुफ गांव ननिहाल से प्रयागराज अपने पिता के पास बाइक से वापस लौट रहा था तभी परसुपुर गांव स्थित हाइवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। सारययुसुफ निवासी युवक के मामा बाबा रमेश यादव एडवोकेट ने बताया कि उनका भांजा 32 वर्षीय सर्वेश उर्फ अंकुर उनके घर आया था। रात वह रात में अपने पिता के पास झूसी प्रयागराज बाइक से जा रहा था। देर रात जब वह रायबरेली हाइवे पर स्थित परसुपुर गांव के पास पहुंचा था कि तभी सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने धक्का मारा जिससे युवक घायल होकर गिर गया। वाहन घटना को अंजाम देकर मौके से भाग निकला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक दम तोड़ चुका था। शव को कब्जे में लेकर पुलिस वापस थाने पर लौट आई। रविवार को पिता उदयराज यादव निवासी थाना फतनपुर गांव कमासिन की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक प्रयागराज किला में सर्विस करता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बभनी-रेणुकूट मार्ग पर सड़क हादसा, दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

-रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, बभनी (सोनभद्र)। जनपद के बभनी थाना क्षेत्र में रविवार को हुए एक सड़क हादसे में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बभनी-रेणुकूट मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के समीप हुआ, जहां एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, म्योरपुर थाना क्षेत्र के आरंगपानी निवासी बुझावन (25) पुत्र भीम सिंह एवं राजेश कुमार (24) पुत्र रामलखन मोटरसाइकिल से बभनी की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में बुझावन की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल बुझावन को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि दूसरे घायल का उपचार जारी है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक डीपी यादव ने बताया कि घायलों की पहचान कर ली गई है तथा फरार वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिससे वाहन की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा सके।

जौनपुर: 44 आरोपियों के विरुद्ध गुंडा एक्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस ने सोशल मीडिया पर भय और अराजकता फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ श्ऑपरेशन वज्रपातश चलाया है। इस अभियान के तहत जिले में 56 आपराधिक गैंग और उनके 423 सदस्यों को चिन्हित किया गया है। पुलिस ने 10 मामले दर्ज कर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह अभियान जनपद जौनपुर में 1 जून से 5 जून तक पांच दिनों के लिए चलाया गया। अभियान के दौरान, 44 आरोपियों के विरुद्ध गुंडा एक्ट, 126 आरोपियों के विरुद्ध 110 जी, 6 आरोपियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट और 90 आरोपियों के विरुद्ध निरोधात्मक पाबंदी की कार्रवाई की गई है।इन गैंगों के काम करने का तरीका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रील, फोटो और वीडियो अपलोड कर अपना प्रभाव और भय प्रदर्शित करना है। वे अवैध असलहों और हथियारों का प्रदर्शन कर आमजन में दहशत का माहौल पैदा करते हैं। ये गैंग गुंडागर्दी, दबंगई और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं, अक्सर मारपीट, धमकी और शांति भंग जैसी गैर-कानूनी गतिविधियों को अंजाम देते हैं।

पार्षद श्रीमती निम्मी निपुण दोषी के सतत प्रयासों से क्षेत्र में सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण

वसई-विरार। वसई-विरार महानगरपालिका के वार्ड नंबर 23 की पार्षद श्रीमती निम्मी निपुण दोषी के निरंतर प्रयासों और सक्रिय फॉलो-अप के परिणामस्वरूप वृंदावन सोसाइटी, ऋषिकेश सोसाइटी, ट्विंकल स्टार तथा लक्ष्मण क्षेत्र (100 फीट रोड के समीप) में सड़क मरम्मत (पैचवर्क), डामरीकरण तथा क्षतिग्रस्त ड्रेनेज कवर की मरम्मत का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु श्रीमती निम्मी दोषी ने स्वयं स्थल का निरीक्षण किया और देर रात से लेकर सुबह तक मौके पर उपस्थित रहकर कार्य की निगरानी की। इस दौरान समाजसेवक निपुण दोषी, एडवोकेट प्रणित, इंजीनियर सुशांत पांचाल तथा महानगरपालिका के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। क्षेत्र के नागरिकों को सुरक्षित, सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हमारी प्रतिबद्धता और निरंतर फॉलो-अप आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा।

विकलांगता-मुक्त पालघर अभियान के तहत जांच शिविर आयोजित

पालघर। पालघर जिला अस्पताल में शनिवार, 6 जून 2026 को 18 वर्ष तक के हड्डी रोग (ऑर्थोपेडिक) से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष जांच शिविर आयोजित किया गया। सांसद सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने शिविर का उद्घाटन करते हुए पालघर को विकलांगता-मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया। विष्णु सावरा सोशल ट्रस्ट, इंस्टीट्यूट ऑफ पीडियाट्रिक डिसऑर्डर्स (मुंबई) और मुस्कान चैरिटेबल ट्रस्ट (मुंबई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 182 मरीजों की जांच की गई। इनमें से 62 मरीजों की सर्जरी ठाणे के जुपिटर हास्पिटल में कराई जाएगी, जबकि 40 मरीजों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर में मरीजों के लिए निःशुल्क परिवहन, भोजन और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि, चिकित्सक और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने निर्धारित समय-सीमा में पालघर को विकलांगता-मुक्त बनाने के लिए अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

हिंदू संगठनों ने गौशाला के खिलाफ नगर निगम द्वारा तोड़फोड़ के विरोध में भाजपा ने निकाला मोर्चा

विरार। रविवार शाम (7 जून) को विभिन्न हिंदू संगठनों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नालासोपारा (पश्चिम) में शनि मंदिर के पास स्थित गौशाला (गाय आश्रय) के खिलाफ वसई-विरार नगर निगम द्वारा की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई का विरोध करने के लिए एक विशाल विरोध मार्च (आक्रोश मोर्चा) आयोजित किया। प्रतिभागियों ने गौशाला से वसई-विरार नगर निगम मुख्यालय तक पैदल मार्च किया और ऱगौमाता की जय, हिंदू समाज एक है, प्रशासन सो रहा है और गौमाता रो रही है, और गोहत्या बंद करो, गौ-संरक्षण शुरू करो जैसे जोशीले नारे लगाए। मार्च में विभिन्न हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने भाग लिया। नगर निगम मुख्यालय पहुंचने पर, प्रदर्शनकारियों की ओर से डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर हर्शार्ला राणे को मांगों का एक ज्ञापन सौंपा गया। हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया है कि नगर निगम ने इस गौशाला के खिलाफ पांच बार तोड़फोड़ की कार्रवाई की है; ऐसी ही एक कार्रवाई के दौरान एक गाय के गंभीर रूप से घायल होने के बाद हिंदू समुदाय में भारी आक्रोश फैल गया था। स्थानीय भाजपा प्रतिनिधियों ने तोड़फोड़ को तुरंत रोकने के लिए हस्तक्षेप करने का प्रयास किया था; हालांकि, म्युनिसिपल कमिश्नर पृथ्वीराज बी.पी. ने अनुरोध को खारिज कर दिया और कार्रवाई जारी रखी, जिससे प्रदर्शनकारियों को आंदोलन का यह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा, मार्च में शामिल लोगों ने कहा। इस ज्ञापन के माध्यम से, प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के दोहरे मापदंडों के बारे में गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि वसई-विरार शहर में सरकारी और गोचर (चरागाह) भूमि पर बड़े पैमाने पर अनधिकृत निर्माण हुआ है, जिससे गायों के चरने के लिए कोई जगह नहीं बची है। संगठनों ने आरोप लगाया है कि जहां शहर में अनधिकृत निर्माणों—जिनमें अवैध मस्जिदें, दरगाहें और मजारें शामिल हैं—की संख्या काफी बढ़ रही है, वहीं नगर निगम प्रशासन जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है, इसके विपरीत, विशेष रूप से गौशालाओं (गाय आश्रयों) के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यह मांग की गई है कि नगर पालिका अगले 15 दिनों के भीतर सभी अनधिकृत निमार्णों, सरकारी और चरागाह भूमि पर अतिक्रमण और अवैध धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई करे। हिंदू संगठनों ने प्रशासन को यह चेतावनी भी दी है कि अगर इस समय-सीमा के भीतर उचित कदम नहीं उठाए गए, तो नगर पालिका के खिलाफ और भी बड़ा और उग्र विरोध मार्च निकाला जाएगा।

सार्वजनिक मार्ग पर बिना अनुमति गेट व मूर्ति स्थापना को लेकर बढ़ा विवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के शाहगंज तहसील के अंतर्गत थाना खुंटहन क्षेत्र की ग्राम सभा बड़नपुर में सार्वजनिक मार्ग पर कथित रूप से बिना अनुमति गेट निर्माण एवं मूर्ति स्थापना को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष और चर्चा का माहौल बना हुआ है। शिकायतकताओं ने इसे भविष्य में सामाजिक सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बताया है तथा प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सभा के मुख्य मार्ग पर पूर्व में शासन द्वारा स्वतंत्रता सेनानी की स्मृति में विधायक निधि से एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जा चुका है। जिसका विधिवत लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री द्वारा किया गया था। इसके बावजूद अब उसी सार्वजनिक मार्ग पर एक अन्य गेट तथा मूर्ति स्थापित किए जाने की प्रक्रिया चलने की शिकायत सामने आई है। शिकायतकर्ता संतोष सिंह राजपूत, राष्ट्रीय महासचिव, करणी सेना भारत ने उपजिलाधिकारी शाहगंज को प्रेषित ज्ञापन में आरोप लगाया है कि कुछ लोगों द्वारा बिना वैधानिक अनुमति के सार्वजनिक भूमि एवं मार्ग पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उनका कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां भविष्य में सामाजिक तनाव, आपसी टकराव तथा जातीय वैमनस्य का सबब बन सकती हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित क्षेत्र में पूर्व में विवाद, मारपीट एवं झड़प जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। जिनमें विभिन्न धाराओं एवं एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत मुकदमे दर्ज हुए थे और वे मामले वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन हैं। ऐसे में संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विवादित निर्माण प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

शिकायतकर्ता ने कहा कि सार्वजनिक मार्ग पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नियम-कानून, प्रशासनिक मंजूरी और राजस्व अभिलेखों के परीक्षण के बाद ही किया जाना चाहिए। यदि बिना अनुमति निर्माण को बढ़ावा दिया गया तो इससे सामाजिक समरसता, अमन-चैन और भाईचारे की माहौल खराब हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है उक्त संबंध में उचित कार्यवाही की जाय।

श्री सत्यनारायण भगवान की महापूजा प्रभाकर शुक्ल के हाथों संपन्न

मुंबई। घाटकोपर वेस्ट के अमृतनगर स्थित सागर पार्क कॉम्प्लेक्स स्पोर्ट्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन फाउंडेशन द्वारा स्पोर्ट्स क्लब के स्थापना वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सत्यनारायण भगवान की महापूजा का भव्य आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना के मुख्य यजमान लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया तथा उनकी धर्मपत्नी सीमा शुक्ला रही। उनके कर-कमलों द्वारा विधिवत पूजा एवं आरती संपन्न हुई तथा सभी श्रद्धालुओं ने भगवान श्री सत्यनारायण का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स क्लब द्वारा समाजोपयोगी पहल करते हुए जूनियर कक्षाओं से लेकर 12वीं कक्षा तक उत्तीर्ण हुए लगभग 100 विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु में उपयोग हेतु छतरियां एवं फ्रूट बॉक्स वितरित किए गए। इस सराहनीय कार्य की उपस्थित लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में प्रेसिडेंट विजय बंजारा, सचिव दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष राजीव राव, सदस्य साजिद शेख, ओमप्रकाश पांडेय, पंडित सोनू,सागर पार्क चेयरमैन सुधाकर गजानन सावंत, वसंत डोंगरे, दिनेश हुले, अवधेश तिवारी, पत्रकार आदेश मिश्र, दिनेश सिंह, राजेश सिंह, शैलेंद्र गुप्ता, संदीप दुबे, नीरज शुक्ला, प्रथम शुक्ल, प्रमेश शुक्ल, सागर शुक्ल, परी शुक्ला सहित सागर पार्क के अनेक रहिवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। धार्मिक श्रद्धा, सामाजिक सेवा और बच्चों के प्रोत्साहन से जुड़े इस आयोजन ने सागर पार्क परिसर में उत्साह एवं आध्यात्मिक वातावरण का संचार किया।

बच्चों के लिए नि:शुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन

मुंबई। श्री सिद्धि सागर हाउसिंग सोसायटी, श्री साईं सेवकरी न्यास (वर्ली) तथा नारायण हेल्थ के संयुक्त सहयोग से रविवार, 7 जून 2026 को सोसायटी परिसर में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कैंप में बच्चों के दांत, कान एवं आंखों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसके साथ ही बच्चों के लिए आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 6 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

कैंप को सफल बनाने में डॉ. हेमाची जैन, डॉ. झरना शाह, डॉ. समरीन खान तथा नारायण हेल्थ के मार्केटिंग मैनेजर विराज वर्मा का विशेष योगदान रहा। उनके सहयोग और मार्गदर्शन से बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र अच्युत खानविलकर, साईं सेवकरी ट्रस्ट के अध्यक्ष विनायक पाटिल, महिला मंडल की श्रीमती धनश्री पेजे तथा सेवकरी नितिन सागवेकर, राजेश ठाकुर और सुरेश गोराटे ने अथक परिश्रम किया। सोसायटी के निवासियों और बच्चों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समापन अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र अच्युत खानविलकर ने उपस्थित चिकित्सकों को शॉल एवं जटा का पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

पूर्वांचल को विकास की नई राह, मऊ-बलिया फोरलेन परियोजना मंजूर

वाराणसी। पूर्वांचल के बहुप्रतीक्षित मऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग-128बी के फोरलेन निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के लगातार प्रयासों और प्रभावी पैरवी के बाद 55.57 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति मिल गई है। इसे पूर्वांचल के विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। परियोजना को जल्द धरातल पर उतारने के लिए मंत्री ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को पत्र लिखकर टेंडर प्रक्रिया और निर्माण कार्य में तेजी लाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस परियोजना की प्रतीक्षा कर रही थी और इसके निर्माण से पूर्वांचल के विकास को नई गति मिलेगी। मंत्री शर्मा ने कहा कि यह केवल सड़क निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने वाला ग्रोथ कॉरिडोर साबित होगा। फोरलेन बनने से मऊ, बलिया और आसपास के जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, यात्रा समय कम होगा और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। परियोजना में कई रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण का भी प्रावधान है, जिससे आवागमन बाधारहित होगा। इससे व्यापार, उद्योग और निवेश को बढ़ावा मिलेगा, वहीं किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। मऊ-बलिया फोरलेन परियोजना पूर्वांचल के आर्थिक और सामाजिक विकास का मजबूत आधार बनेगी। इसके पूरा होने से क्षेत्र में निवेश, रोजगार और व्यापार की नई संभावनाएं खुलेंगी।

सीएमएआई की विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़ी पहल

मुंबई। टेक्सटाइल और कपड़ा क्षेत्र में सर्कुलर इकोसिस्टम बनाने में उपभोक्ताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इसी बात को मजबूत करने के लिए क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) ने आज एक बड़ी शुरूआत की है। सीएमएआई ने यूनाइटेड नेशंस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, रीफाइबर, ओटेरी, टिस्सर, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई और लायंस इंटरनेशनल के साथ हाथ मिलाया है। इन सबने मिलकर 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में 'मेगा यूज्ड क्लोथ्स अपसाइक्लॉन' को लॉन्च किया। यह पूरे देश में चलाया जाने वाला एक अभियान है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाना, पुराने कपड़े इकट्ठा करना और उन्हें अपसाइकिल करना है। 'मेगा यूज्ड क्लोथ्स अपसाइक्लॉन' का उद्देश्य उपयोग के बाद के कपड़ा कचरा प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना है, जो कपड़ा क्षेत्र में पूर्ण सर्क्युलरिटी प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अधिकांश कपड़ा कचरा उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग किए जाने के बाद उत्पन्न होता है, जिसमें से दो-तिहाई हिस्सा लैंडफिल में चला जाता है। ये आंकड़ें उपभोक्ताओं की जागरूकता को बढ़ाकर, उनकी भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर रीसाइक्लिंग, रीयूज और अपसाइक्लिंग समाधानों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती वृंदा देसाई (टेक्सटाइल कमिश्नर, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार) ने एक महत्वपूर्ण बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग की पूरी वैल्यू चेन में सस्टेनेबिलिटी और रीसाइक्लिंग की रफ्तार बढ़ाने के लिए उद्योग, सरकार, सामाजिक संस्थाओं और उपभोक्ताओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने इस बात पर भी रोशनी डाली कि, पर्यावरण पर फैशन के बुरे असर को कम करने के लिए समझदारी से कपड़े खरीदने और पुराने कपड़ों का निपटान सही तरीके से करने की जरूरत बढ़ती जा रही है। एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए यह बहुत जरूरी है।

SOUL संस्था द्वारा 1200 दर्जन नोटबुक, 1000 छतरियों एवं शैक्षणिक सामग्री का वितरण

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। समाजसेवा के क्षेत्र में पिछले दो दशकों से सक्रिय SOUL (Social Organisation Upon Life) संस्था द्वारा भायंदर पश्चिम में जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए बड़े पैमाने पर नोटबुक, छतरियों और शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान 1200 दर्जन नोटबुक, 1000 छतरियां तथा बड़ी संख्या में पेंसिलों का वितरण किया गया। संस्था के संस्थापक राजेश सिंघानिया ने बताया कि SOUL संस्था वर्ष 2004 से लगातार सामाजिक, शैक्षणिक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। वितरण कार्यक्रम में लाभार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। सामग्री प्राप्त करने के लिए लोगों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। पूरे कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक गीता जैन, उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील, डॉ. सुशील अग्रवाल, दीपक सिंघानिया, वरिष्ठ पत्रकार वेदप्रकाश श्रीवास्तव, कमलेश शाह, नवल जी, सुशील खेतान सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे संस्था के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। उपस्थित अतिथियों ने रहवख संस्था द्वारा पिछले 22 वर्षों से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और सामाजिक सहायता से जुड़े ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। कार्यक्रम का समापन लाभार्थियों को सामग्री वितरण एवं संस्था के सामाजिक संकल्प के साथ हुआ।